साान्ध्य हिन्दी दैनिक

जौनपुर से प्रकाशित

देश की उपासना

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

वर्ष - 02 | अंक - 220 | जौनपुर, मंगलवार, 07 मई 2024 | सान्ध्य दैनिक (संस्करण) | पेज - 4 | मूल्य - 2 रूपये

संक्षिप्त खबरें

आईसी एसई की 10वीं व 12वीं का परिणाम घोषित

लखनऊ, संवाददाता। सीआईएससीई (काउंसिल फॉर द इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट एग्जामिनेशन) के रिजल्ट में एक बार फिर से राजधानी के मेधावियों ने अपनी प्रतिभा का परिचय दिया। 10वीं में सिटी मांटेसरी स्कूल के चंद्रांश राय ने 99.8 फीसदी नंबर हासिल किए। इसी तरह 12वीं में इसी स्कूल की कनिष्का मित्तल, अर्चिता सिंह और सारिया खान ने संयुक्त रूप से 99.75 फीसदी अंक हासिल करके देश भर में नाम रोशन किया। इस बार काउंसिल ने आधिकारिक रूप से कोई मेरिट जारी नहीं की है। लखनऊ में इंडियन सर्टिफिकेट ऑफ सेकंड्री एजूकेशन (आसीएसई)– 10वीं में 12,661 और इंडियन स्कूल सर्टिफिकेट (आईएससी)– 12वीं में 10,600 परीक्षार्थी पंजीकृत थे। प्रदेश स्तर पर हाईस्कूल में 99.14 और 12वीं में 97.94 फीसदी परीक्षार्थी सफल हुए। मेधावियों ने इस बार 99 फीसदी से ज्यादा नंबर हासिल करने में नया कीर्तिमान गढ़ दिया। हाईस्कूल में काव्या बिष्ट, भार्गवी सिंह, चिन्मय कृष्णा, इशांत अग्रवाल और मो. अमान ने 99.6 फीसदी अंक हासिल किए। 10वीं में ही आर्या द्विवेदी, अर्जुन कृष्णा, उत्कर्ष सिंह, अमृत पांडेय, कृति श्रीवास्तव, आरना बाजपेयी, अनिरुद्ध शर्मा, इबा शाहीन, शिवांश आनंद, उन्नति वर्मा, याहवी मोहन और शुभ वर्मा ने 99.4 फीसदी अंक हासिल किए। इसके अलावा राजधानी में एक हजार से ज्यादा मेधावियों ने परीक्षा में 90 फीसदी से ज्यादा नंबर हासिल किए हैं।

कैसरगंज से भाजपा प्रत्याशी करणभूषण के खिलाफ एफआईआर दर्ज

गोंडा, संवाददाता। बहुचर्चित सांसद बृजभूषण शरण सिंह के बेटे और कैसरगंज से भाजपा प्रत्याशी करणभूषण सिंह के खिलाफ प्रशासन की ओर से आचार संहिता उल्लंघन के मामले में तरबगंज थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई है। मुकदमे में करण भूषण को नामजद करते हुए अज्ञात को भी आरोपी बनाया गया है। आरोप है कि बिना अनुमति वाहनों का काफिला निकालने के साथ ही उनके समर्थक आदर्श आचार संहिता और निषेधाज्ञा कानून की सरेआम धज्जियां उड़ा रहे हैं। तरबगंज थाना क्षेत्र अंतर्गत बेलसर बाजार में शनिवार को काफिले में समर्थकों ने आतिशबाजी की थी। जांच के बाद डीएम के आदेश पर यह मुकदमा दर्ज कराया गया है। आचार संहिता उल्लंघन और बिना अनुमति काफिला निकालने के मामले को गंभीरता से संज्ञान लिया है। तरबगंज विधानसभा एफएसटी प्रभारी डॉ. सुमित कुमार की ओर से एफआईआर दर्ज कराई गई है। आचार संहिता और निषेधाज्ञा लागू होने के बावजूद बेलसर चौराहे पर उनके काफिले में मल्टी शॉट क्रैकर फोड़े गए थे।

देश की जनता कांग्रेस के छद्म स्वरूप से भलीभांति परिचित - सीएम योगी

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस, समाजवादी पार्टी और इंडिया गठबंधन पर तीखा हमला करते हुए, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आरोप लगाया कि विपक्ष के नेताओं के डीएनए में ष्राम द्रोहष् भरा हुआ है। उत्तर प्रदेश के सीएम ने ये टिप्पणी पूर्व कांग्रेस नेता राधिका खेड़ा के इस्तीफे पर बोलते हुए की। उन्होंने कहा कि वह राम लला का आशीर्वाद लेने के लिए अयोध्या आईं और कांग्रेस के नेताओं ने उनका अपमान किया। अपमान से तंग आकर उन्होंने इस्तीफा दे दिया। इससे पता चलता है कि कांग्रेस और सपा के डीएनए में राम द्रोह है। इंडिया गठबंधन से जुड़े लोगों के डीएनए में श्राम द्रोहश है। उन्होंने आगे कहा, और जो व्यक्ति राम द्रोही है, देश की जनता ऐसे लोगों के पक्ष में कभी अपना वोट नहीं देगी। यूपी सीएम ने कांग्रेस पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता अब पार्टी के छद्म स्वरूप

से पूरी तरह वाकिफ हो चुकी है। उन्होंने कहा, देश की जनता कांग्रेस के छद्म स्वरूप से भलीभांति परिचित है। जनता जानती है कि वे (कांग्रेस) अब जो भी दिखावा कर रहे हैं वह वास्तविकता पर आधारित नहीं है। वे सिर्फ देश की जनता को धोखा देना चाहते हैं लेकिन जनता उनकी नौटंकी जानती है। इसलिए जनता इसे रसातल की ओर धकेल रही है। इससे पहले एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए खेड़ा ने आरोप लगाया कि कांग्रेस राम विरोधी और सनातन विरोधी है। उन्होंने कहा कि मैंने हमेशा सुना है कि कांग्रेस राम विरोधी, सनातन विरोधी और हिंदू विरोधी है लेकिन मैंने कभी इस पर विश्वास नहीं किया। महात्मा गांधी हर बैठक की शुरुआत रघुपति राघव राजा राम से करते थे। मैं इस हकीकत से तब रूबरू हुआ जब मैं अपनी दादी के साथ राम मंदिर गया और वहां से लौटने के बाद मैंने अपने घर के दरवाजे पर जय श्री राम का झंडा लगा दिया और उसके बाद कांग्रेस पार्टी मुझसे नफरत करने लगी। उन्होंने कहा कि जब भी मैंने तस्वीरें या वीडियो पोस्ट किए, मुझे डांटा गया और पूछा गया कि जब चुनाव प्रक्रिया चल रही थी तो मैं अयोध्या क्यों गई। पार्टी सदस्यों पर दुर्व्यवहार का आरोप लगाने के बाद रविवार को राधिका खेड़ा ने पार्टी की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया। उन्होंने आरोप लगाया कि इस मुद्दे पर न तो प्रियंका गांधी और न ही राहुल ने उन्हें मिलने का समय दिया। उन्होंने कहा कि मैं राहुल गांधी और प्रियंका गांधी वाद्रा से 3 साल से समय मांग रहा हूं लेकिन उनमें से कोई भी मुझसे नहीं मिला। मुझे हमेशा एक कार्यालय से दूसरे कार्यालय भेजा जाता था। न्याय यात्रा के दौरान भी राहुल गांधी ने किसी से मुलाकात नहीं की। वह आते थे और 5 मिनट के लिए लोगों का हाथ हिलाते थे और वापस अपने ट्रेलर के पास चले जाते थे। उनकी न्याय यात्रा उनके नाम के लिए थी, मुझे लगता है कि वह सिर्फ एक ट्रैवल व्लॉगर बनना चाहते हैं और वह वहां ट्रैवल व्लॉगिंग कर रहे थे।

कन्नौज में अखिलेश तो रायबरेली में राहुल की होगी हार – केशव मौर्य

लखनऊ, संवाददाता। उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने सोमवार को कहा कि समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव और कांग्रेस नेता राहुल गांधी दोनों लोकसभा चुनाव में क्रमशः कन्नौज और रायबरेली में हार जाएंगे। श्रावस्ती से बीजेपी प्रत्याशी साकेत मिश्रा के समर्थन में एक सभा को संबोधित करते हुए मौर्य ने कहा कि जिस तरह 2019 में अखिलेश की पत्नी डिंपल यादव को कन्नौज से हार मिली थी, वही इस बार भी होगा। उन्होंने कहा, श्श्राहुल को रायबरेली से भी हार का स्वाद चखना पड़ेगा। भाजपा नेता ने आम चुनाव में भगवा पार्टी के 400 से अधिक सीटें जीतने का भरोसा जताया। मौर्य ने इंडिया ब्लॉक के नेताओं पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि सभी भ्रष्ट पार्टियां एक छत के नीचे आ गई हैं। उन्होंने आगे कहा कि विपक्ष यह कहकर लोगों को गुमराह कर रहा है कि संविधान खतरे में है। नरेंद्र मोदी पिछले 10 साल से देश के प्रधानमंत्री हैं और नई संसद में प्रवेश करने से पहले उन्होंने संसद के दरवाजे पर माथा टेका था।श्श उन्होंने दावा किया कि भारत विरोधी ताकतें नहीं चाहती कि मोदी जी फिर से प्रधानमंत्री बने। उन्होंने कहा कि यह चुनाव ऐतिहासिक है जिसमें दो खेमें हैं, एक ओर 12 लाख करोड़ के भ्रष्टाचार –घोटाले करने वाली कांग्रेस पार्टी है।

सेना के शौर्य का अपमान करना विपक्ष की आदत – अनुराग ठाकुर

नई दिल्ली, एजेंसी। केंद्रीय सूचना एवं प्रसारण और युवा एवं खेल मामलों के मंत्री अनुराग सिंह

ठाकुर ने पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री व कांग्रेस नेता चरणजीत सिंह चन्नी द्वारा पुँछ में हुए आतंकी हमले को स्टंटबाजी करार दिए जाने पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए उसे शर्मनाक करार दिया और कहा कि कांग्रेस आज तक कभी भी सेना के साथ खड़ी नहीं हुई। यह वही लोग हैं जो हमेशा सेना की काबिलियत पर प्रश्नचिन्ह खड़े करते हैं और हमारे जवानों के पराक्रम के सबूत मांगते हैं। सर्जिकल स्ट्राइक, एयर स्ट्राइक एयर डोकलाम के समय भी इन्होंने यही किया था। भारतीय सेना के शौर्य का अपमान करना इनकी आदत बन चुका है। अनुराग ठाकुर ने कहा कि यह कांग्रेस की पुरानी आदत रही है। कांग्रेस के नेता तो सेना के हथियारों और साज सामानों में भी दलाली खाते हैं। जीप घोटाला, बोफोर्स घोटाला, अगस्ता वेस्टलैंड घोटाला इत्यादि इसके कुछ उदाहरण मात्र हैं। आज कांग्रेस कह रही है कि देश से परमाणु हथियारों को समाप्त कर देना चाहिए। आखिर यह इनकी कौन सी सोच है? आखिर कांग्रेस कितनी बार विदेशी ताकतों के साथ हाथ मिलाएगी? कांग्रेस बताए कि उसकी क्या मजबूरी है कि चुनाव के समय इतना नीचे गिरना जरूरी है? लेकिन यह 100: सच है कि आज का भारत आतंकियों को उनके घर में घुसकर मारता है और एयर स्ट्राइक करता है।

भाजपा का मंत्र है विकास, विकास, विकास - पीएम मोदी

नई दिल्ली, एजेंसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कांग्रेस पार्टी पर तीखा हमला बोलते हुए कहा कि जो भी नेता मंदिरों में जाता है, उसे पार्टी बर्खास्त कर देती है। पीएम मोदी ने ये टिप्पणी एक सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए की। उनका यह बयान राधिका खेड़ा के कांग्रेस पार्टी से इस्तीफा देने के बाद आया है, जिसमें उन्होंने आरोप लगाया था कि अयोध्या में राम मंदिर का दौरा करने के कारण पार्टी सदस्यों ने उनके साथ दुर्व्यवहार किया था। अयोध्या में राम मंदिर के प्रतिष्ठा समारोह में शामिल नहीं होने के कांग्रेस के फैसले पर पीएम ने इसकी आलोचना की और कहा, तुष्टिकरण के कारण कांग्रेस ने अयोध्या राम मंदिर अभिषेक का बहिष्कार किया। अनाकापल्ले में सार्वजनिक बैठक को संबोधित करते हुए मोदी ने कहा कि ये पहला चुनाव है, जो विकसित आंध्र प्रदेश, विकसित भारत के विश्वास पर लड़ा जा रहा है। आज भारत, दुनिया की 5वीं सबसे

बड़ी अर्थव्यवस्था है। आज भारत, चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर पहुंचने वाला पहला देश बना है। आज पूरी दुनिया में भारत का सम्मान बढ़ा है। ये गौरव हर भारतवासी का सीना गर्व से चौड़ा कर रहा है। उन्होंने कहा कि पहले नेता वोट मांगने जाते थे तो जनता काम का हिसाब पूछती थी, लेकिन अब जनता मोहर लगाती है। मोदी ने कहा कि पहले जब नेता लोगों से वोट देने की अपील करते थे तो लोग नेताओं से उनके काम के बारे में पूछते थे.

हालाँकि, अब मोदी अपने विकास कार्यों का लेखा–जोखा देते हैं और लोग इसे स्वीकार करते हैं। अनाकापल्ली से आनंदपुरम तक छह लेन का हाईवे बनाया गया है... 2014 तक आंध्र प्रदेश में सिर्फ 4,000 किलोमीटर हाईवे थे, जो बढ़कर 9,000 किलोमीटर हो गए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा का मंत्र है विकास, विकास, विकास। वाईएसआर कांग्रेस का मंत्र है भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार, भ्रष्टाचार। वे राज्य में हर विकास कार्य में बाधा डाल रहे हैं। हमने विशाखा पत्तनम के लिए एक अलग रेलवे जोन की मंजूरी दी। हालाँकि, राज्य सरकार रेलवे मुख्यालय के लिए भूमि आवंटित नहीं कर रही है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमने आंध्र प्रदेश के गरीबों के लिए 24 लाख पीएम आवास स्वीकृत किए हैं। हालाँकि, वाईएसआर कांग्रेस हमारे द्वारा स्वीकृत घर का आधा हिस्सा भी नहीं बना पाई है। मोदी गरीबों की मदद करने की कोशिश कर रहे हैं।

संविधान और आरक्षण खत्म करना चाहते हैं मोदी - राहुल

मध्य प्रदेश, एजेंसी। एक चुनावी रैली को संबोधित करते हुए राहुल गांधी ने कहा कि यह चुनाव संविधान और आरक्षण बचाने के लिए है। इस देश के गरीब के पास जो कुछ भी है, चाहे आपकी जमीन हो, जल हो, जंगल हो, नौकरी हो, सब कुछ संविधान ने दिया हैय अब नरेंद्र मोदी ने इसे (संविधान) बदलने का, इसे खत्म करने का मन बना लिया है। उन्होंने बड़ा वादा करते हुए कहा कि कांग्रेस सरकार में आने पर मनरेगा मजदूरों को 400 रुपए दैनिक मजदूरी देगी। आशा, आंगनवाड़ी की महिलाओं का आमदनी दोगुनी होगी और एक लाख रुपए महिलाओं के बैंक अकाउंट में जाएगा। कांग्रेस नेता ने कहा कि भाजपा के नेता ने एक आदिवासी युवा पर पेशाब कर उसका वीडियो बनाया और पूरे हिंदुस्तान में दिखाया। यहां हमारे प्रत्याशी के खिलाफ लड़ने वाले कैंडिडेट के रिश्तेदार ने आदिवासी बिटिया के साथ रेप किया। उन्होंने कहा कि भाजपा के लोग चाहते हैं कि आप आगे न बढ़ पाओ और आपके बच्चे

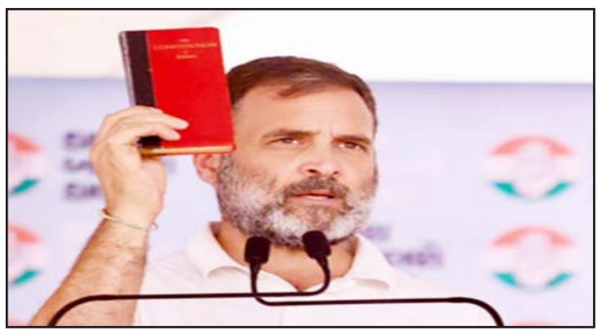

इंजीनियर–डॉक्टर न बन पाएं।ये आपका जल–जंगल–जमीन छीनना चाहते हैं। अगर हमें इनको रोकना है तो एकसाथ लड़ना होगा। ताकि आपके अधिकारों, संविधान और आरक्षण को बचाया जा सके। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि अडानी जैसे लोगों की नजर आपके जल–जंगल–जमीन पर है। पीएम मोदी, अपने मित्र अडानी को आपका जल–जंगल–जमीन सौंप देना चाहते हैं। नरेंद्र मोदी ने पहले ही हिंदुस्तान के एयरपोर्ट, पॉवर स्टेशन, पोर्ट, इन्फ्रास्ट्रक्चर, डिफेंस सेक्टर सबकुछ अडानी जैसे लोगों को दे दिया है। उन्होंने कहा कि मीडिया कहता है कि मनरेगा से लोगों की आदत बिगड़ती है। लेकिन जब अरबपतियों का कर्जा माफ होता है तो उसको यह विकास कहते हैं। लेकिन जैसे ही हमारी सरकार आएगी, हम मनरेगा मजदूरों को 400 रुपए दैनिक मजदूरी देंगे। राहुल ने साफ तौर पर कहा कि नरेंद्र मोदी आपका आरक्षण खत्म करना चाहते हैं। बीजेपी के नेताओं ने साफ कहा है– बीजेपी की सरकार बनते ही वे दलितों, पिछड़ों और आदिवासियों से आरक्षण छीन लेंगे। जहां बीजेपी आरक्षण छीनने की बात कर रही है, वहीं हम आरक्षण से 50: की लिमिट हटाकर उसे बढ़ा देंगे। उन्होंने कहा कि नरेंद्र मोदी आएंगे तो उनसे बोलना– खटाखट.. खटाखट.. खटाखट। उनसे कहना जो आपने अरबपतियों के लिए किया, वो काम कांग्रेस पार्टी हिंदुस्तान के गरीबों के लिए करने जा रही है।

अमित शाह बंगाल से मांगा 30 सीटों का आशीर्वाद

कोलकाता, एजेंसी। अमित शाह ने पश्चिम बंगाल के दुर्गापुर में जनसभा को संबोधित किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि घुसपैठिए टीएमसी का वोट बैंक हैं। ममता बनर्जी इन घुसपैठियों से डरती हैं। क्या दुर्गापुर अपने वोट बैंक की खातिर प्रभु राम का बहिष्कार करने वालों को चुनेगी? कभी नहीं! संदेशखाली में ज्ड॰ नेताओं ने धर्म के आधार पर हमारी सैकड़ों बहनों पर अत्याचार किया। ममता दीदी संदेशखाली के अपराधियों को पकड़ने को तैयार नहीं थीं। हाईकोर्ट के आदेश के बाद भी जांच नहीं की, तो हाईकोर्ट ने जांच सीबीआई को सौंपी। संदेशखाली में जिसने अत्याचार किया है, वो पाताल में भी छिप जाए, हम उसे ढूंढ कर जेल की सलाखों के पीछे डालेंगे। पश्चिम बंगाल में हमें 30 सीटों का आशीर्वाद दें, मोदी जी को फिर से प्रधानमंत्री बनाएं और सुनिश्चित करें कि हम इस बार 400 के पार जाएं। अमित शाह ने कहा कि संदेशखाली

में टीएमसी नेताओं ने धर्म के आधार पर हमारी सैकड़ों बहनों पर अत्याचार किया। ममता दीदी, संदेशखाली के अपराधियों को पकड़ने को तैयार नहीं थीं। हाई कोर्ट के आदेश के बाद भी जांच नहीं की, तो हाई कोर्ट ने जांच सीबीआई को सौंपी। ममता दीदी आपको शर्म आनी चाहिए, आप महिला मुख्यमंत्री हो और आपकी नाक के नीचे सैकड़ों माताओं–बहनों पर अत्याचार हुआ, लेकिन आपके पेट का पानी नहीं हिला। विपक्ष के पास भ्रष्टाचार का ट्रैक रिकॉर्ड है, जबकि मोदी जी के पूरे राजनीतिक जीवन में ऐसा एक भी दाग घ्छनहीं है। टीएमसी पूरी तरह से कट मनी संस्कृति में डूबी हुई है और घुसपैठियों को अपना वोट बैंक बनाती है। ममता बनर्जी को अपनी गतिविधियों पर शर्म आनी चाहिए। बंगाल में भ्रष्टाचार और चुनावी हिंसा आम हो चुकी है। आज ही बम धमाका हुआ है। वो (ममता बनर्जी) डराना चाहती हैं। लेकिन दुर्गापुर वालों चुनाव आयोग ने सेंट्रल फोर्स लगाई हैं, ममता दीदी के गुंडों से डरने की जरूरत नहीं है।

महाराणा प्रताप के नाम पर भाजपा कर रही गुमराह – अखिलेश यादव

कन्नौज, संवाददाता। लोकसभा चुनाव के तीसरे चरण के मतदान से ठीक एक दिन पहले कन्नौज पहुंचे सपा मुखिया अखिलेश यादव ने भाजपा पर समाज को बांटने का आरोप लगाया है। मैनपुरी में महाराणा प्रताप की प्रतिमा प्रकरण को भाजपा की साजिश बताया है। कहा कि किसी ने भी प्रतिमा का अपमान नहीं किया है। मुख्यमंत्री कार्यालय और भाजपा कार्यालय से उस प्रकरण का म्यूट वीडियो मीडिया में प्रसारित कराया गया है। प्रतिमा पर चढ़ने वालों ने नासमझी की होगी, लेकिन अपमान नहीं किया। हार की बौखलाहट से भाजपा अब साजिश रच रही है। जनता इनकी चाल समझ रही है। इनकी हर साजिश का जवाब वोट से दिया जाएगा। कन्नौज में जनसंपर्क के बाद सैफई लौटने से पहले बोर्डिंग ग्राउंड हेलीपैड के पास मीडिया से रूबरू अखिलेश यादव ने कहा कि इस चुनाव में भाजपा का सफाया होने जा रहा है। हार की बौखलाहट में भाजपा के लोग साजिश रच रहे हैं। मैनपुरी प्रकरण में कहा कि मुख्यमंत्री के कार्यक्रम के दौरान मैनपुरी और आसपास के जिलों से बुलडोजर मंगाकर उसकी पुलिस से सुरक्षा कराई गई। फिर क्या वजह रही कि सपा के रोडशो के दौरान पुलिस ने चौराहों, प्रतिमा और संवेदनशील जगहों की सुरक्षा नहीं की। कहा कि नासमझी में कुछ लोग प्रतिमा पर चढ़ गए थे, लेकिन उन्होंने महाराणा के सम्मान में ही नारा लगाया। लेकिन भाजपा ने वीडियो की आवाज दबाकर उसे मीडिया के माध्यम से प्रसारित करवाया। कहा कि सपा सरकार में महाराणा प्रताप की जयंती पर सार्वजनिक अवकाश होता था, भाजपा ने उसे खत्म कर दिया। उस मामले में पुलिस ने गंभीर धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर जेल भेज दिया। जबकि जो लोग भद्दी गालियां दे रहे हैं, बूथ लूटने की धमकी दे रहे हैं, उनका सम्मान हो रहा है। अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा चालाकी से संविधान में बदलाव करना चाह रही है। इनके नेता मंच से बाकायदा ऐलान कर रहे है।

प्रियंका ने संभाली रायबरेली-अमेठी की कमान, दो पूर्व मुख्यमंत्रियों को बनाया गया पर्यवेक्षक

लखनऊ, संवाददाता। कांग्रेस पार्टी अमेठी और रायबरेली की सीट हर हाल में अपने पास बनाए रखना चाहती है। इसके लिए दोनों ही सीटों पर प्रियंका गांधी अपनी 40 सदस्यीय टीम के साथ काम पर लगी हुई हैं। इसके तहत वह घर–घर में दस्तक देंगी और नुक्कड़ सभाएं करेंगी। वहीं, कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत को अमेठी लोकसभा सीट पर व छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल को रायबरेली सीट की जिम्मेदारी देते हुए पर्यवेक्षक तैनात किया है। रायबरेली सीट पर राहुल गांधी प्रत्याशी हैं जबकि अमेठी सीट पर गांधी परिवार के करीबी रहे किशोरी लाल शर्मा को उम्मीदवार बनाया गया है। लंबे समय तक चली रस्साकशी के बाद गांधी परिवार ने अंतिम दिन रायबरेली से राहुल गांधी और अमेठी से केएल

शर्मा को चुनाव लड़ाने का फैसला लिया था। नामांकन के वक्त सोनिया गांधी, प्रियंका गांधी, राबर्ट वाड्रा ने भी राहुल के नामांकन में शामिल होकर एकजुटता का संदेश दिया था। प्रियंका गांधी को सौंपी गई है। पार्टी की ओर से अभी तक अधिकृत कार्यक्रम जारी नहीं किया गया है, लेकिन प्रियंका गांधी की 40 सदस्यी टीम रायबरेली पहुंच गई है। यह टीम प्रियंका के चुनाव प्रचार की रणनीति तैयार कर रही। सूत्रों के मुताबिक प्रियंका गांधी सामाजिक न्याय के मुद्दे को आक्रामक तरीके से उठाएंगी। इसके लिए प्रदेशभर से डाटा इकट्ठा किए गए हैं। वह करीब ढाई सौ नुक्कड़ सभा करेंगी। इन सभाओं में स्थानीय मुद्दे भी होंगे और मंच पर मौजूद लोगों को सामाजिक समीकरण की दृष्टि से रखा जाएगा। यह भी दावा है कि टीम की ओर से तैयार किए गए रोडमैप के तहत वह कुछ इलाके में घर–घर जनसंपर्क करेंगी। इस बीच स्वतंत्रता सेनानियों के परिवारों और दशकों से गांधी परिवार के साथ पारिवारिक संबंध रखने वाले लोगों के घर तक जाएंगी।

संपादकीय

मतदाताओं के लिए मतदाता

बंगाल में मतदाता दुविधा में फंस गए हैं. वे किसे वोट देते हैं? दो प्रमुख दावेदारों में से एक, घटियापन की एक उभरती गाथा में फंस गया हैरू सबसे ऊपर, कई क्षेत्रों में सरकारी नौकरियों की बिक्री, सबसे भयावह रूप से स्कूली शिक्षा में। इसका चरमोत्कर्ष मध्य चुनाव में हुआ और 25,000 से अधिक लोगों को अपनी नौकरियाँ खोनी पड़ीं, हालांकि इसमें कोई संदेह नहीं कि कई लोगों को वास्तव में योग्यता के आधार पर नियुक्त किया गया था। बहुत बड़ी संख्या में जिन्हें पहली बार में ही नौकरी से वंचित कर दिया गया, उनके मन में और भी गहरी शिकायत है। दरअसल, पिछले कुछ वर्षों के घिनौने खुलासों और राज्य सरकार की अयोग्य और पक्षपातपूर्ण प्रतिक्रिया से हर नागरिक विद्रोह कर सकता है। तो फिर उन्हें वोट क्यों न दें? आइए देखें कि उनके मुख्य प्रतिद्वंद्वी, जो वर्तमान में भारत पर शासन कर रहे हैं, क्या पेशकश करते हैं। वास्तव में, उनकी अपनी पेशकश – वास्तव में शगारंटीश – अचानक दृष्टि से गायब हो गई है। इसके बजाय, वे एक राष्ट्रीय विपक्षी दल के निकटतम दृष्टिकोण के घोषणापत्र का राग अलाप रहे हैं। लेकिन भ्रामक बात यह है कि यह उस पार्टी द्वारा जारी किया गया घोषणापत्र नहीं है, जिसका पाठ पढ़ने में सरल है। यह सांप्रदायिक विभाजन और अल्पसंख्यक तुष्टिकरण के कथित एक सूत्री एजेंडे वाला एक मायावी दस्तावेज है। प्रधानमंत्री ने स्वयं मंगलसूत्र छीनने और एक विशेष समुदाय को उपहार में सोना दिए जाने की भयावह उत्तेजक छवि के साथ हमला शुरू किया। यदि ऐसी हास्यास्पद कल्पनाएँ सामूहिक कल्पना में जड़ें जमा लें तो देशव्यापी परिणामों के बारे में सोचकर ही कांप उठता है। तो हम अपने वोटों से किसका विरोध करते हैं – भ्रष्टाचार या संघर्ष, लालच या द्वेष – यह पूरी जानकारी के साथ कि एक को बाहर करने का मतलब दूसरे को अंदर आने देना है? यहां तक कि इसे बहुत सरल शब्दों में कहें तो, लालच और हिंसा पर किसी भी पक्ष का एकाधिकार नहीं है। इसमें कोई संदेह नहीं कि अन्य राज्यों में मतदाताओं को अपने स्वयं के कठिन विकल्पों का सामना करना पड़ता है। हर जगह, हम दो या दो से अधिक बुराइयों के बीच चयन करने के लिए अपने मताधिकार का प्रयोग करते हैं। अनिवार्य रूप से, हम प्रत्याहार और संशयवाद में शरण लेते हैं। यहां तक कि हममें से जो लोग वोट देने जाते हैं, वे भी महसूस करते हैं कि हमें अपने विवेक की रक्षा करनी चाहिए और संबंधित मुद्दों से बहुत गहराई से नहीं जुड़ना चाहिए, जब तक कि वे वास्तव में घर तक न पहुंच जाएं, जैसा कि महत्वाकांक्षी स्कूली शिक्षक को नौकरी से धोखा दिया गया या परिवार को उसके घर से बाहर निकाल दिया गया। हम यह भी महसूस कर सकते हैं कि हम मानसिक रूप से उत्पीड़कों का पक्ष लेकर अपनी सुरक्षा सुनिश्चित कर सकते हैं। महीनों या वर्षों बाद, हम खुद को बदले में पीड़ित पाते हैं और बहुत देर से सीखते हैं कि हिंसा और शोषण कभी खध्त्म नहीं होते। अपने प्रारंभिक शिकार को खध्त्म करने के बाद, वे अपने पूर्व समर्थकों पर टूट पड़ते हैं, विभाजित हो जाते हैं और उन पर चुन–चुनकर हमला करते हैं। फिलहाल, मौसम की मार झेल रहे बंगाल के मतदाता एक महत्वपूर्ण विकल्प चुनने में तीव्र पीड़ा का कोई संकेत नहीं दिखा रहे हैं। मैंने बंगाल में यह अब तक का सबसे तुच्छ, मानसिक और नैतिक रूप से विमुख चुनाव देखा है। राजनेताओं द्वारा स्टंप पर की गई भाप भरी बयानबाजी पूरी तरह से वाष्पशील है, जैसा कि सभी भाप में होना चाहिए। मुफ्त चीजों के भव्य वादे के अलावा, वे इस बारे में कुछ नहीं कहते कि वे देश के भविष्य की कल्पना कैसे करते हैं, या सत्ता में आने पर वे वास्तव में क्या करेंगे। वे अक्सर अपने स्वयं के गंभीर बयान की तुलना में अपने विरोधियों के एजेंडे की दुर्भावनापूर्ण पैरोडी पर अधिक समय व्यतीत करते हैं। वे जिन टिप्पणियों का आदान–प्रदान करते हैं, वे दृष्टिकोण की एक समान तुच्छता को दर्शाते हैं, जैसे बच्चे अपनी नाक पर अंगूठे लगाते हैं या एक–दूसरे पर अपनी जीभ बाहर निकालते हैं। मीडिया कवरेज, विशेष रूप से टेलीविजन पर, बड़े पैमाने पर इस तरह के अपमान के साथ लिया जाता है, जिसमें गंभीर चुनावी मुद्दों को कवर करने का बहुत कम या कोई प्रयास नहीं होता है। श्बहसश कहे जाने वाले गाली–गलौज वाले मैच इस समय अपने उग्र चरम पर पहुंच जाते हैं। अन्य देशों में, टीवी बहसों में स्वतंत्र विशेषज्ञ शामिल होते हैं। भारत में, मुख्य और अक्सर केवल प्रतिभागी ही राजनीतिक दलों का प्रतिनिधित्व करते हैं। उनके कथन – एक–दूसरे को मात देते हुए, अक्सर एक पक्षपातपूर्ण एंकर द्वारा प्रोत्साहित किए जाते हैं – किसी भी अन्य मंच की तरह ही जोरदार और अस्पष्ट हैं। इसका मतदाताओं पर क्या प्रभाव पड़ता है? हम नहीं बता सकते कि मतदाताओं के मन में क्या चल रहा है। लेकिन बाहरी तौर पर, वे एक ऐसी चुप्पी के बीच डगमगाते दिखते हैं जो मोहभंग और उदासीनता को छिपा सकती है या नहीं, और उन टीवी बहसों के एक छोटे संस्करण की तरह चाय की दुकान पर होने वाले मजाक के बीच। मैं सोशल मीडिया के बारे में बात नहीं करूंगा क्योंकि कोई यह नहीं बता सकता कि यह कितना नागरिकों की वास्तविक आवाज को प्रतिबिंबित करता है और कितना सुनियोजित या मशीन–जनित है। मुझे उस शब्द असामान्यता पर वापस लौटना चाहिए। फासीवादी शासन से बची और शीत युद्ध के दौर की टिप्पणीकार हन्ना अरेंड्ट, बुराई की साधारणताष की बात करती हैं। एक ऐसा सिंड्रोम जब आम लोग, अन्यथा सभ्य और समझदार, अपने समाज में बुराई के प्रति इतने आदी हो जाते हैं।

कांग्रेस की दिशाहीनता एवं बढ़ता पलायन

ललित

लोकसभा के चुनाव उग्र से उग्रतर होते जा रहे हैं, लोकतंत्र के महायज्ञ की 7 मई को आधी से ज्यादा आहुति पूरी होने वाली है, पहले चरण में 102 और दूसरे चरण में 88 सीटों पर मतदान हो चुका है। तीसरे चरण में 94 सीटों पर मतदान होने वाला है। इसके बाद 543 में से आधे से अधिक यानी 284 सीटों पर मतदान पूर्ण हो जाएगा। जैसे–जैसे चुनाव आगे बढ़ रहे हैं, कांग्रेस की मुश्किलें बढ़ती जा रही है। भाजपा की ओर रुख करते नेताओं ने कांग्रेस की नींद उड़ा कर रख दी है। यह सिलसिला आगे भी जारी रहने वाला है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पर आक्रामक, तीक्ष्ण एवं तीखे आरोप लगाने वाली कांग्रेस पार्टी में लगातार हो रही टूट एवं पार्टी छोड़ने के कांग्रेसी नेताओं के सिलसिले को रोक नहीं पा रही है। इस बड़े संकट से बाहर निकलने का रास्ता कांग्रेस को नहीं सूझ रहा है। कांग्रेस के लिए लोकसभा चुनाव के दौरान सबसे बड़ा झटका इंदौर में लगा, जहां से पार्टी के उम्मीदवार अक्षय कांति बम ने नामांकन वापसी के अंतिम दिन मैदान ही छोड़ दिया और वो भाजपा में शामिल हो गए। इससे पहले विपक्षी दलों का गठबंधन 'इंडिया' को खजुराहो में झटका लगा था, जहां आपसी समझौते के चलते यह सीट समाजवादी पार्टी को दी गई थी। समाजवादी पार्टी की उम्मीदवार मीरा दीपक यादव का पर्चा निरस्त हो गया। इस तरह राज्य की 29 लोकसभा सीटों में से दो– खजुराहो और इंदौर ऐसी है जहां से कांग्रेस मुकाबले में ही नहीं है। कांग्रेस प्रवक्ता राधिका खेड़ा एवं दिल्ली के कांग्रेसी नेता अरविन्द सिंह लवली ने 'नाइंसाफी' के कारण पार्टी से इस्तीफा दिया है। लवली तो अपने अन्य साथियों के साथ भाजपा में शामिल हो गये हैं। पुरी से कांग्रेस प्रत्याशी सुचारिता महंती

ने यह कहते हुए टिकट लौटा दिया कि पार्टी चुनाव लड़ने के लिए धन नहीं दे रही है। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि उनके क्षेत्र में ओडिशा विधानसभा चुनावों के लिए कमजोर उम्मीदवार उतारे गए हैं। ऐसा प्रतीत होता है कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व में राजनीतिक अपरिपक्वता, दिशाहीनता एवं निर्णय–क्षमता का अभाव है। इसकी भी अनदेखी नहीं की जा सकती कि कांग्रेस कई राज्यों में बेमन से चुनाव लड़ रही है। ।कअमतजपेमउमदज आज के परिदृश्यों में कांग्रेस अनेकों विरोधाभासों एवं विसंगतियों से भरी है। चुनाव प्रचार हो या उम्मीदवारों का चयन, राजनीतिक वायदें हो या चुनावी मुद्दें हर तरफ कांग्रेस कई विरोधाभासों से घिरी है। उसकी सारी नीतियों में, सारे निर्णयों में, व्यवहार में, कथन में विरोधाभास स्पष्ट परिलक्षित है। यही कारण है कि उसकी राजनीति में सत्य खोजने से भी नहीं मिलता। उसका व्यवहार दोगला हो गया है। दोहरे मापदण्ड अपनाने से उसकी हर नीति, हर निर्णय समाधानों से ज्यादा समस्याएं पैदा कर रही हैं। यही कारण है कि कांग्रेस नेताओं के पार्टी छोड़ने या फिर चुनाव लड़ने से इन्कार करने का सिलसिला खत्म होने का नाम नहीं ले रहा है। यह निर्णय क्षमता का अभाव ही है या हार का डर कि राहुल गांधी और प्रियंका गांधी ने क्रमशः अमेठी और रायबरेली से चुनाव लड़ने का निर्णय लेने में बड़ी कोताही बनती है। अब राहुल ने अमेठी में स्मृति ईरानी का सामना करने में स्वयं को अक्षम पाया तो रायबरेली से नामांकन पत्र दाखिल कर दिया और प्रियंका एक बार फिर चुनाव लड़ने से दूर ठिठक गईं। राहुल गांधी का अमेठी के बजाय रायबरेली से चुनाव लड़ना भी कांग्रेस की दिशाहीनता का सूचक है। यह हास्यास्पद है कि गांधी परिवार के करीबी एवं चाटुकार कांग्रेस नेता राहुल के अमेठी से चुनाव न लड़ने के फैसले को यह कहकर बड़ी राजनीति जीत बता रहे हैं कि पार्टी ने स्मृति इरानी का महत्व कम कर दिया। क्या सच यह नहीं कि कांग्रेस ने अमेठी से स्मृति इरानी की जीत सुनिश्चित करने का काम किया है? राहुल गांधी का दो–दो सीटों से का चुनाव लड़ना भी यह दर्शाता है कि दोनों में से एक सीट पर तो वे जीत हासिल कर ही लेंगे। लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम, 1951 का सेक्शन 33 प्रत्याशियों को अधिकतम दो सीटों से चुनाव लड़ने की अनुमति भी देता है। देश में लोकतंत्र की जड़ें लगातार मजबूत हो रही हैं। ऐसे में नेताओं के एक से अधिक सीटों पर चुनाव लड़ने को लेकर विसंगतियां भी सामने आ रही हैं। विमर्श इस बात पर हो रहा है कि जब एक व्यक्ति को एक वोट का अधिकार है तो प्रत्याशी को दो सीटों पर चुनाव लड़ने की अनुमति क्यों होनी चाहिए? नेता अपने राजनीतिक हितों के लिए एक साथ दो सीटों पर चुनाव लड़ते हैं और दोनों सीटों पर चुनाव जीतने की स्थिति में अपनी सुविधानुसार एक सीट से इस्तीफा दे देते हैं। कानूनी रूप से उनके लिए ऐसा करना जरूरी भी है। फिर उस सीट पर उपचुनाव होता है। इसमें न सिर्फ करदाताओं का पैसा खर्च होता है बल्कि उस क्षेत्र के मतदाता भी ठगा हुआ महसूस करते हैं। इस बात की पड़ताल जरूरी है कि दो सीटों से चुनाव लड़कर राहुल गांधी भारतीय लोकतंत्र को मजबूत कर रहे हैं या इस व्यवस्था से सिर्फ अपने राजनीतिक हित साध रहे हैं? भले ही राहुल गांधी चुनाव प्रचार के दौरान बेहद आक्रामक दिख रहे हों, लेकिन वह अपने नेताओं और कार्यकर्ताओं में जोश नहीं भर पा रहे हैं। इसका एक कारण गठबंधन के नाम पर अपने पुराने मजबूत गढ़ों में भी अपनी राजनीतिक जमीन छोड़ना है। यह कांग्रेस ही लगातार कमजोर होती राजनीति ही है कि वह जीत की संभावना वाली सीटों को भी महागठबंधन के अन्य दलों को दे रही है। ऐसे ही निर्णयों के चलते कांग्रेसजनों के लिए भी यह समझना कठिन है कि दिल्ली में आम आदमी पार्टी से समझौता करने से पार्टी को क्या हासिल होने वाला है? इस बार गांधी परिवार दिल्ली में उस आम आदमी पार्टी के प्रत्याशियों को बोट देगा, जिसने उसे रसातल में पहुंचाया। इस तरह के मामले केवल यही नहीं बताते कि कांग्रेस उपयुक्त प्रत्याशियों का चयन करने में नाकाम है, बल्कि यह भी इंगित करते हैं कि उसके पास अपनी खोई हुई जमीन वापस पाने और अपने कार्यकर्ताओं में उत्साह का संचार करने की कोई ठोस रणनीति नहीं है। कांग्रेस की नीति एवं नियत भी संदेह के घेरों में हैं। क्या कारण है कि पड़ोसी देश पाकिस्तान के नेता अब दुआ कर रहे हैं कि कांग्रेस का 'शहजादा' भारत का प्रधानमंत्री बने। दुश्मन राष्ट्र के नेता अगर किसी व्यक्ति या नेता के प्रधानमंत्री बनने की कामना करते हैं तो निश्चित ही उस देश का हित जुड़ा होता है। पड़ोसी देश भले ही राहुल गांधी को प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहता हो लेकिन भारत की जनता अपने हितों की रक्षा करते हुए विवेकपूर्ण मतदान के लिये तत्पर है। भारत मजबूत प्रधानमंत्री वाला मजबूत देश चाहता है। नए भारत के 'सर्जिकल और एयर स्ट्राइक' ने उस पाकिस्तान को हिलाकर रख दिया था जिसे कांग्रेस शासन के दौरान भारत पर आतंकी हमलों का समर्थन करने के लिए जाना जाता था।

पक्षपात चुनाव आयोग को चुनाव से वंचित कर देता

विनोद

साम्राज्य और सम्राट आते हैं और चले जाते हैं, लेकिन कुछ संस्थाएँ अमर रहती हैं। 476 ई. में रोमन साम्राज्य लुप्त हो गया, लेकिन पैक्स रोमाना आधुनिक न्याय का आधार बन गया। 1216 ई. में किंग जॉन की मृत्यु हो गई, लेकिन मैग्ना कार्टा ने लोकतंत्र की नींव रखी। प्रभारी व्यक्ति मात्र नश्वर हैं। जब तक उनके पास चाबियां हैं, वे अयोग्य और अनुपयुक्त तरीकों से विश्वसनीय संस्थानों की छवि बना या बिगाड़ सकते हैं। पिछले कुछ हफ्तों में भारतीय चुनाव आयोग (ईसीआई) का आचरण इस तरह की गिरावट का उदाहरण है। इस पर निर्णयों में देरी करने, डेटा की पारदर्शिता को कम करने और विभिन्न उम्मीदवारों, विशेषकर विपक्ष की वास्तविक शिकायतों को नजरअंदाज करने का आरोप लगाया जा रहा है। पिछले हफ्ते, पहले चरण में मतदाताओं की अंतिम मतदान संख्या पोस्ट करने में लगभग 11 दिन लगने के कारण उसके चेहरे पर कीचड़ था। डेटा ने पूर्ववर्ती पैटर्न का पालन नहीं किया और निर्वाचन क्षेत्र–वार विवरण के बजाय केवल वोटों का प्रतिशत दिया। संदेहास्पद रूप से, अंतिम संख्याएँ मतदान के दिन के बाद ईसीआई द्वारा जारी आंकड़ों से काफी भिन्न हैं। अतीत में ऐसी देरी देखी गई है, लेकिन इस बार प्रारूपण और विधि संदिग्ध थी। इस डिजिटल युग में, जब डेटा राजनीतिक उलटफेरों की तुलना में लाखों गुना तेजी से यात्रा कर सकता है, ईसीआई की धीमी गति सबसे रूढ़िवादी सर्वेक्षणकर्ताओं और बुद्धिजीवियों के लिए भी घृणित थी। आखध्रिकार, यह जून 2024 के बाद सत्तारूढ़ दल का फैसला करेगा। असीमित धन, संसाधनों और प्रौद्योगिकी के बावजूद, ईसीआई ने अपनी बुद्धिमत्ता से, अपेक्षित गर्मी की लहर के बावजूद चुनाव को सात चरणों तक बढ़ा दिया। एक समय, ईसीआई ने चुनाव कराने के लिए दुनिया भर में प्रशंसा अर्जित की थी जिसमें 543 निर्वाचन क्षेत्रों में 100 करोड़ से अधिक मतदाताओं ने अपने प्रतिनिधियों का फैसला किया था। 1970 के दशक को छोड़कर, भारतीय चुनाव आम तौर पर निष्पक्ष और शांतिपूर्ण रहे हैं। ईसीआई को राजनीतिक आक्रोश का सामना करना पड़ा लेकिन उसके फैसले को अंततः सभी उम्मीदवारों ने स्वीकार कर लिया। लेकिन और नहीं। उनके राजनीतिक विरोधियों से भी अधिक, ईसीआई उनका प्रमुख लक्ष्य है। यह प्रदर्शन नहीं, बल्कि यह धारणा है कि ईसीआई को भाजपा द्वारा नियंत्रित और निर्देशित किया जाता है, जो उसके लिए अभिशाप बन गया है। आयोग बेहिसाब धन और ड्रग्स की रिकॉर्ड जब्ती की महिमा का आनंद ले रहा है – जनवरी से अब तक प्रतिदिन लगभग 100 करोड़ रुपये। फिर भी इसकी प्रशासनिक पहल, जिसमें चुनाव कार्यक्रम तय करना और आदतन आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन करने वाले प्रतियोगियों के खिलाफ दंडात्मक और पूर्वव्यापी कार्रवाई करना शामिल है, संदिग्ध हैं। तीनों चुनाव आयुक्तों का ट्रैक रिकॉर्ड बेदाग है। वर्तमान सीईसी, राजीव कुमार, झारखंड कैडर के 1984 बैच के आईएएस अधिकारी, पहले केंद्रीय वित्त सचिव थे। उन्हें बैंकिंग क्षेत्र में बदलाव लाने और प्रभावशाली वित्तीय सुधार लाने का श्रेय दिया जाता है। अन्य दो, आईएएस अधिकारी सुखबीर सिंह संधू और ज्ञानेश कुमार, मोदी सरकार के बुनियादी ढांचे को बढ़ावा देने और गृह मंत्री अमित शाह के साथ निकटता से जुड़े हुए हैं। कुमार गृह मंत्रालय की उस टीम के प्रमुख सदस्यों में से एक थे, जिसने अनुच्छेद 370 को खत्म करने की गुप्त कवायद पर काम किया था। हालाँकि, उनकी नियुक्तियों के तरीके और अचानकता ने असंख्य विवादों को जन्म दिया है। चुनाव आयोग उन यादृच्छिक सिविल सेवकों के लिए सेवानिवृत्ति के बाद एक शानदार आवास बन गया है जिनकी मुख्य योग्यता प्रतिष्ठान के प्रति वफादारी हैय उनकी सराहनीय उपलब्धियाँ आज अपवाद हैं, नियम नहीं। ईसीआई ने नैतिक रूप से ऊंचे स्तर पर जीवन शुरू किया जब प्रतिष्ठित आईसीएस अधिकारी सुकुमार सेन को पहले लोकसभा चुनाव और फिर दूसरे लोकसभा चुनाव के संचालन के लिए नियुक्त किया गया। तब से, 24 और मुख्य चुनाव आयुक्तों ने इस सर्वोच्च पद पर कब्जा कर लिया है। चार आईसीएस से, 15 आईएएस से, दो आईआरएस से, एक महिला राजनीतिज्ञ और दो प्रतिष्ठित संवैधानिक कानूनी हस्तियां, नागेंद्र सिंह और एसएल शकधर। राजनीति द्वारा योग्यता की जगह लेने के बाद ईसीआई की प्रतिष्ठा धूमिल हो गई थी। उदाहरण के लिए, 7 नवंबर, 1990 को वीपी सिंह की सरकार गिरने के बाद, आंध्र प्रदेश की वकील वीएस रमादेवी को 26 नवंबर, 1990 को पहली महिला सीईसी नियुक्त किया गया था। अज्ञात कारणों से, दो सप्ताह में उनकी जगह टीएन शेषन को ले लिया गया।. चुनावी उल्लंघनों के खिलाफ उनकी कड़ी कार्रवाइयों के बाद हुई षडयंत्रों ने संस्था का राजनीतिकरण कर दिया। शेषन ने उम्मीदवारों पर सभी कानूनी रूप से उपलब्ध प्रतिबंध लगा दिए। हाई–वोल्टेज अभियान रुक गए। पहली बार, सरकार ने सीईसी की शक्तियों पर अंकुश लगाने की मांग करते हुए सुप्रीम कोर्ट का दरवाजा खटखटाया। तत्कालीन प्रधान मंत्री नरसिम्हा राव ने ईसीआई को तीन सदस्यीय आयोग में बदल दिया और प्रत्येक को समान शक्ति दी। अल्पमत सरकार का नेतृत्व करते हुए, वह सीईसी की बर्खास्तगी के प्रावधान को नहीं बदल सके, जो कहता है कि निष्कासन केवल संसदीय प्रस्ताव के माध्यम से संभव है। दिलचस्प बात यह है कि केवल सदन ही सीईसी पर महाभियोग चला सकता है, चुनाव आयुक्त को हटाने का अधिकार सीईसी के पास है – राष्ट्रपति सिफारिश को स्वीकार भी कर सकते हैं और नहीं भी। इससे अन्य सदस्य असुरक्षित हो जाते हैं। वे लाइन में लग जायेंगे।

स्कूल में हल्के शारीरिक दंड से बच्चा सुधरता

संजय

सुप्रीम कोर्ट के मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) डीवाई चंद्रचूड़ ने हाल में नेपाल की राजधानी काठमांडू के एक कार्यक्रम में अपने बचपन का एक किस्सा सुनाया, जिसमें उन्होंने बताया कि जब वो पांचवीं कक्षा में थे तो एक गलती के लिए उन्हें उनकी टीचर ने बेंत से पीटा था। वो कमर पर बेंत की पिटाई चाहते थे, लेकिन टीचर ने उन्हें हाथ पर ही बेंत मारे थे, जिसके निशान पड़ गए थे। यह बात उन्होंने माता–पिता से 10 दिनों तक छुपाए रखी थी। यदि यह आज यह घटना होती तो बेंत मारने वाला टीचर जेल भी जा सकता था। सरकार ने बच्चों की स्कूल में पिटाई को लेकर बाकायदा कानून बनाया है, लेकिन एक बहस लंबे समय से चली आ रही है कि शिक्षक बच्चों को शारीरिक दंड दे सकता है या नहीं। यदि हल्के शारीरिक दंड से बच्चा सुधरता है तो उसमें हर्ज किया है? हम अनेकोनेक किस्से अपने बड़े–बुजुर्गों से सुनते आए हैं कि किस तरह उनके शिक्षक अपने विद्यार्थियों को पीटते थे। बड़ी तादाद में विद्यार्थी उस पिटाई से सुधर गए और जीवन में स्कूल व शिक्षक का नाम रोशन किया। वहीं, एक पक्ष ऐसा भी है, जो कहता है कि शिक्षक की पिटाई से बच्चों पर एक मनोवैज्ञानिक असर आता है और उसके दूरगामी पर दुष्परिणाम होते हैं। दरअसल, ऐसी अनेक खबरें संचार माध्यमों में देखने को मिल जाती हैं कि शिक्षक की पिटाई से बच्चे का हाथ टूट गया, कान का पर्दा फट गया या बच्चे की मौत तक हो गई। बात यह है कि आखिर बच्चों की पिटाई की सीमा क्या होनी चाहिए? क्योंकि पिछले साल ऐसे ही एक केस में बॉम्बे हाईकोर्ट में कहा था कि टीचर द्वारा स्कूल में बच्चों को सही करना अपराध नहीं हो सकता, अगर उसका इरादा दुर्भावनापूर्ण नहीं हो। सीजेआई डीवाई चंद्रचूड़ के किस्से से एक बार फिर शिक्षकों द्वारा बच्चों की पिटाई का विषय चर्चा में आ गया है। सवाल यह है कि बच्चों को सुधारने के लिए यदि हल्का शारीरिक दंड दिया जाए तो क्या वो भी गंभीर अपराध की श्रेणी में आएगा, क्योंकि कई उदाहरण ऐसे भी आते हैं कि अभिभावक स्वयं चाहते हैं कि उनका बच्चा गलतियां न करे और शिक्षक उसे मारपीट कर सही रास्ते पर ले आएं। हालांकि, बड़ी संख्या ऐसे अभिभावकों की भी है, जिन्हें शिक्षक द्वारा बच्चे को हाथ लगाना तक स्वीकार नहीं होता। इस विषय की गंभीरता को देखते हुए केंद्र सरकार ने किशोर न्याय अधिनियम 2015 यानी जुवेनाइल जस्टिस एक्ट लागू किया। देश में बच्चों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए गाइडलाइंस बनाईं, जिसमें स्कूल में पिटाई को लेकर प्रावधान हैं। शिक्षा के अधिकार अधिनियम 2009 की धारा 17 में कहा गया है कि स्कूल में किसी भी तरह के शारीरिक दंड, मानसिक प्रताड़ना और भेदभाव पूरी तरह प्रतिबंधित हैं।

उस समय मुझसे मेरी किताब के बारे में व्लॉग करने के लिए कहा गया

ललित

मेरा ज्यादातर काम लिखना है. जब मैं एक मसौदा पूरा कर लेता हूं, तो मैं इसे एक साहित्यिक एजेंट को भेजता हूं जो मुझे बताता है कि इसे एक उचित पुस्तक बनाने के लिए क्या बदलाव करने की आवश्यकता है। मैं वे बदलाव करता हूं, और वह इसे प्रकाशित करने के लिए किसी को ढूंढ लेती है, जबकि मैं अन्य चीजें लिखने के लिए आगे बढ़ता हूं। किताबों के बीच, मैं वेब, टीवी चौनल और यूट्यूब पर सर्फ करता हूं। मुझे एक ट्रक ड्राइवर का ल्वनज्नइम व्लॉग मिला जिसमें बताया गया था कि वह कहां जाता है और क्या खाता है और उसके बेटे, जो उसके साथ जाते हैं, कैसे कर रहे हैं। मैं यह वीडियो देख रहा था जब कंप्यूटर ने मुझे बताया कि मेरे पास मेल है। यह मेहनती एजेंट की ओर से था. मेल में कहा गया है कि एक यूट्यूब चौनल था जो लिखने वाले एशियाई लोगों के बारे में वीडियो पोस्ट करता था, और क्या मैं अपनी एक किताब को हाथ में लिए हुए और इसके बारे में बात करते हुए अपना एक वीडियो भेजना चाहूंगा। ट्रक ड्राइवर का व्लॉग बहुत सरल लग रहा था। उसने बस इतना किया कि अपना कैमरा या फोन यात्री की सीट पर रख दिया, उसकी ओर इशारा किया, और समय–समय पर उसे देखते हुए, जो भी कहना चाहता था कहा, और फिर उसे बंद कर दिया और वीडियो को अपने चौनल पर पोस्ट कर दिया। मैंने सोचा, अगर एक ट्रक ड्राइवर ऐसा कर सकता है, तो मैं भी कर सकता हूँ! आखध्रिकार, मैं कुछ वर्षों से कॉलेज के छात्रों को किसी विशेष विषय पर व्याख्यान दे रहा हूँ। ष्जरूर,ष मैंने उत्तर दिया। ष्मुझे कुछ दिन दीजिए।ष मैंने सोचा, कुछ मिनटों का वीडियो बनाने में एक घंटे से अधिक नहीं लगना चाहिए, इसलिए मैंने समय प्रबंधन की अपनी सामान्य शैली का पालन किया और इसे अंतिम मिनट तक के लिए टाल दिया। और इस प्रकार, शनिवार की शाम 7 बजे, मेरी अंतरात्मा मुझे परेशान करने लगी। मैंने अपना टैबलेट टेबल पर रखा, अपने हाथों में किताब लेकर उसके सामने खड़ा हो गया, और पाया कि जब तक मैं टैबलेट को एक बहुत ही विशिष्ट कोण पर नहीं उठाता, तब तक अपना चेहरा और किताब को फ्रेम में लाना बहुत कठिन था। टैबलेट के पीछे ढेर सारी किताबों ने काम किया और मैंने शुरुआत कर दी। रिकॉर्डिंग के तीस सेकंड बाद मुझे एहसास हुआ कि भले ही मैंने डैम की किताब लिखी है, लेकिन मैं नोट्स के बिना इसके बारे में सुसंगत रूप से बात नहीं कर सकतारू मैंने पूरे रास्ते घेर लिया था। उस ट्रक ड्राइवर के प्रति मेरा सम्मान कुछ हद तक बढ़ गयारू वह आलू–पालक या दाल–चावल के बारे में पांच मिनट तक बोल सकता था। मैंने रिकॉर्डिंग बंद कर दी और अपने नोट्स तैयार कर लिए, जब मैंने रिकॉर्डिंग पूरी कर ली तो मुझे एहसास हुआ कि मैंने इस पर कुछ घंटे बिताए हैं, और मेरे पास इसे जारी रखने की ऊर्जा नहीं है। अगली सुबह, मैंने यह सुनिश्चित करने के लिए तीस सेकंड का एक छोटा सा परीक्षण किया कि सब कुछ ठीक है, और पता चला कि ऐसा नहीं था। तस्वीर साफ थी, लेकिन आवाज नहींरू एक प्रतिध्वनि और एक पृष्ठभूमि गुंजन थी, जिसने एक साथ मिलकर, मेरी आवाज को लगभग अश्रव्य बना दिया था। इससे मुझे शर्मिंदगी उठानी पड़ी, क्योंकि यह ट्रक ड्राइवर ट्रक चलाते समय शीशा नीचे होने और इंजन चालू रहने इत्यादि के दौरान अपनी आवाज बिल्कुल स्पष्ट रूप से रिकॉर्ड करने में कामयाब रहा। तो मैं क्या गलत कर रहा था? जब मैंने खिड़कियाँ बंद कीं तो प्रतिध्वनि गायब हो गई, और जब मैंने पंखा बंद किया तो गड़गड़ाहट गायब हो गई, इसलिए मैंने एयर–कंडीशनर चालू किया और एक और परीक्षण किया। इस बार आवाज तो ठीक थी, लेकिन कुछ और गलत हो गयारू प्रकाश व्यवस्था। रिकॉर्डिंग करते समय रोशनी ठीक लग रही थी, लेकिन बाद में यह स्पष्ट रूप से असमान थी, जिससे मेरे चेहरे के एक तरफ की छाया पड़ रही थी और दूसरी तरफ तेज रोशनी थी, इसके अलावा मेरे चश्मे के लेंस के बीच में चमक रही थी, जिससे मैं विक्षिप्त दिख रहा था। मैं रोशनी ठीक करने के लिए एक या दो लैंप और ले आया, लेकिन हल्की सी चमक बनी रही और मैंने इसके साथ जाने का फैसला किया। और इसलिए, रिकॉर्डिंग शुरू करने के एक दिन बाद और खध्त्म होने की उम्मीद के 23 घंटे बाद, मैं तैयार था। रिकॉर्डिंग के पहले दो मिनट अच्छे चले, लेकिन तीसरे मिनट में मैं एक वाक्य पर अटक गया। उस ट्रक ड्राइवर ने कभी इतनी बड़ी गलती नहीं की, इसलिए मैंने रिकॉर्डिंग छोड़ दी. बाद में, मुझे पता चला कि मैंने केवल रिकॉर्डिंग के अंत में गलतियाँ की हैं, इसलिए मैंने एक घंटे की छुट्टी ली और स्क्रिप्ट का अभ्यास तब तक किया जब तक कि मुझे यह समझ में नहीं आ गया। तय समय से दो दिन पीछे, मैंने अंतिम रिकॉर्डिंग के लिए टैबलेट सेट किया, अतिरिक्त रोशनी लाई, खिड़कियां बंद कीं, एयर कंडीशनर चालू किया और रिकॉर्डिंग शुरू कर दी। पांचवें मिनट में, जब सब कुछ ठीक चल रहा था, तभी किसी ने गेट खटखटाया और कुत्ता जोर–जोर से भौंकने लगा। मैंने रिकॉर्डिंग पूरी कर ली लेकिन कुत्ते ने मेरी आवाज दबा दी। ट्रक ड्राइवर ने इसे स्वीकार नहीं किया होगा, इसलिए हम कुत्ते को अंदर ले आए और मैं फिर से शुरू हो गया। दस मिनट बाद, यह हो गया। दो दिनों के पसीने और परिश्रम के बाद, मैं यहाँ था, अपनी किताब पकड़कर उसके बारे में सुसंगत रूप से बात कर रहा था। महान! मैंने उपलब्धि की एक अलग भावना के साथ सोचा, और इसे देखने के लिए अपनी पत्नी को बुलाया। जब मैं टैबलेट चला रहा था तो वह टैबलेट के सामने बैठी थी। दस सेकंड के वीडियो में उसने कहा, ष्लेकिन आप किताब को उल्टा पकड़े हुए हैं!ष यह नहीं हो सकता था, लेकिन यह थारू मैं स्वयं देख सकता था। एक क्षण के लिए मेरा अस्तित्व नफरत के सागर में विलीन हो गया। मुझे खुद से नफरत थी! मुझे कुत्ते से नफरत है! मुझे किताब से नफरत थी! मुझे वीडियो से नफरत है! मुझे ब्रह्मांड से नफरत है! लेकिन सबसे ज़्यादा, मुझे ट्रक ड्राइवर से नफरत थी! मैं फिर से रिकॉर्डिंग करने के लिए गंभीर रूप से तैयार हो गया। पंद्रह मिनट बाद, यह हो गया। मैं समय–समय पर लड़खड़ाता था, मेरी आँखों में एक अजीब सा भाव था, मेरे जो छोटे–छोटे बाल थे वे अव्यवस्थित थे, और मेरी दाढ़ी ऐसी दिखती थी मानो इसे बगीचे की कैंची से काटा गया हो। बेशक, ट्रक ड्राइवर ने इसे मंजूरी नहीं दी होगी, लेकिन कम से कम किताब दाहिनी ओर थी ऊपर।

आर0 आर0 ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन में चल रहे वार्षिकोत्सव प्रज्ञान 2024 का दूसरा दिन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। एकेटीयू से संबद्ध बख्शी का तालाब स्थित आर०आर० ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूशन, लखनऊ के वार्षिकोत्सव प्रज्ञान 2024 के दूसरे

दिन में क्रिकेट प्रतियोगिता के मैच में आर०आर० बायोटेक बनाम आर०सी०बी० के बीच हुए मुकाबले में आर०आर० बायोटेक ने टॉस जीतकर पहले बैटिंग करने का निर्णय लिया आर०आर० बायोटेक ने पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 06 ओवर में 6 विकेट खोकर 75 रन बनाए। जवाब में आर०सी०बी० की टीम ने निर्धारित 06 ओवर में मात्र 55 रन बनाकर आलआउट हो गई इस तरह आर०आर० बायोटेक ने 20 रनों से जीत हासिल की आर०आर० बायोटेक की तरफ से अनिल शर्मा ने 35 रन बनाए व 3 विकेट लिए अनिल शर्मा को उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए मैन ऑफ द मैच चुना गया।

अन्य प्रतियोगिताएं–

1. पीपीटी प्रतियोगिता में आदित्य जायसवाल विजयी रहें।
2. रस्साकसी प्रतियोगिता में अर्पित तिवारी (एमबीए) व अभिषेक कुमार (इलेक्ट्रिकल) टीम विजयी रही।
3. कबड्डी बॉयज प्रतियोगिता में हर्ष पांडेय व गवेंद्र प्रताप सिंह की टीम विजयी रही।
4. कबड्डी गर्ल्स प्रतियोगिता में अम्बिका गौरव की टीम विजयी रही।
5. खो–खो गर्ल्स प्रतियोगिता में अनुष्का सिंह (सीएसई 2दक वर्ष) की टीम विजयी रही।
5. चेस प्रतियोगिता के दूसरे राउंड में नदीम अहमद (सीएसई प्रथम वर्ष), साहबाज हुसैन (सीएसई प्रथम वर्ष), आदित्य साहू (सिविल तृतीय वर्ष), प्रफुल्ल साही (सीएसडी तृतीय वर्ष) व अंशिका सिंह (सीएसई प्रथम वर्ष) विजयी रही।
6. गोलाफेंक प्रतियोगिता में अंशिका सिंह (सीएसई प्रथम वर्ष) विजयी रही।
7. बैटमिंटन प्रतियोगिता के दूसरे राउंड में निशांत, दिव्या तथा मुस्कान विजयी रहे।

नवाचार किसी क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं – प्रो पुरोहित

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल विश्वविद्यालय के केंद्रीय ट्रेनिंग एवं प्लेसमेंट प्रकोष्ठ के तत्वावधान में आयोजित विशेष व्याख्यान नवाचार एवं उद्यमिता विषय पर मंगलवार को विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए दून विश्वविद्यालय देहरादून के स्कूल आफ मैनेजमेंट के संकाय अध्यक्ष प्रोफेसर एच सी पुरोहित ने कहा कि नवाचार किसी क्षेत्र विशेष तक सीमित नहीं है यह हमारी सोचने की क्षमता एवं सृजनात्मकता की अभिव्यक्ति है। प्रोफेसर पुरोहित ने कहा कि जीवन में सफलता अर्जित करने के लिए सकारात्मक सोच के साथ–साथ हमारे अंदर कृतज्ञता का भाव होना आवश्यक है। कई बार हम आत्ममुग्धता के कारण हम अपनी कमियों को नहीं समझ पाते और प्रत्याशित सफलता नहीं अर्जित कर पाते हैं इसलिए इस प्रकार की भावना से बाहर निकलने की आवश्यकता है और अपनी कमियों को पहचान कर उनको दूर करने का प्रयास करना चाहिए अन्यथा इस प्रकार की भावना नकारात्मकता को बढ़ावा देगी। उन्होंने नवाचार के कई उदाहरण प्रस्तुत करते हुए कहा कि दुनिया के बड़े–बड़े नवाचार को साधारण परिवार के युवाओं ने जन्म दिया क्योंकि नवाचार किसी क्षेत्र विशेष तक नहीं नहीं होता है। प्रो. एच. सी. पुरोहित ने छात्रों से संवाद के दौरान नवाचार को बढ़ावा देने को कहा। उन्होंने आने वाले अग्रिम वर्षो में तकनीकी को लेकर बताया कि ए. आई, ब्लॉक चौन, क्लाउड एवम् डाटा एनालिटिक का दौर आरहा है स उन्होंने सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के द्वारा छात्रों के लिए लगातार ट्रेनिंग सेशन वर्कशॉप और प्लेसमेंट ड्राइव आयोजित किये जाने हेतु सराहना की और कहा कि छात्रों को पूर्वांचल विश्वविद्यालय में मिल रही सुविधा पर खुशी जाहिर की स सेंट्रल ट्रेनिंग एंड प्लेसमेंट सेल के निदेशक प्रो. प्रदीप कुमार ने स्वागत भाषण में कहा की छात्रों को संस्कार युक्त रोजगारपरक शिक्षा देना ही हम सब का उदेश्य है। धन्यवाद ज्ञापन छात्र यत्नदीप दुबे ने किया। कार्यक्रम के दौरान डा. अमरेंद्र सिंह , डा. अशोक कुमार श्रीवास्तव, प्रो अविनाश पाथर्डीकर, श्याम त्रिपाठी व सेंट्रल ट्रेनिग एंड प्लेसमेंट सेल के मुख्य सदस्य विकास यादव, दिव्यांशु संजय, रुद्रांश चतुर्वेदी, हरी ओम साहू, शिवांश श्रीवास्तव, आर्यन पांडे, आयुष गुप्ता, विनीत त्रिपाठी, राजेश कुमार आदि छात्र उपस्थित रहे।

विधायक रागिनी सोनकर बनीं सपा की स्टार प्रचारक

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मछली शहर की सपा विधायक डॉक्टर रागिनी सोनकर को शीर्ष नेतृत्व की ओर से स्टार प्रचारक बनाए जाने पर जिले के सपाइयों के साथ–साथ लोकसभा चुनाव में प्रत्याशी बने नेताओं में काफी उत्साह है। यह पत्र सपा के राष्ट्रीय प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव ने उप्र. के मुख्य निर्वाचन अधिकारी के पास प्रेषित कर अवगत कराया है। जिले के सपा कार्यकर्ताओं ने कहा कि विधायक रागिनी सोनकर की अपनी मेहनत, जनसंपर्क के साथ–साथ अपनी बातों को जनता के बीच शालीनता और समझदारी के साथ रखने की कला के चलते

उन्हें यह जिम्मेदारी मिली है। इस संबंध में विधायक डॉ. रागिनी सोनकर ने सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव और प्रमुख महासचिव प्रो. रामगोपाल यादव के प्रति आभार जताया है। उन्होंने कहा कि मुझे जो भी जिम्मेदारी मिली है उसका निर्वहन हमेशा करती रही हूं और कार्यकर्ताओं के उत्साह के बल पर और भी बखूबी तरीके से इसे निभाऊगी। उन्होंने समाजवादी पार्टी के नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष श्यामलाल पाल को हार्दिक बधाई और शुभकामना दी। उन्होंने कहा कि एक स्टार प्रचारक के रूप में मुझे अधिक से अधिक लोगों तक अपने कार्यों और योजनाओं का संदेश पहुंचाने के अतिरिक्त उन्हें समाज के विभिन्न वर्गों और समूहों के साथ संवाद करने का अवसर मिलेगा, जिससे समाज के अधिकतर लोगों तक उनके कार्यों का सम्मान और समर्थन पार्टी को मिल सके।

पायनियर मोटेसरी स्कूल के बच्चों का आई सी एस ई और आई एस ई में शत प्रतिशत रिजल्ट

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पायनियर मोंटेसरी स्कूल की जानकीपुरम और विकास नगर शाखाओ का रिजल्ट शत प्रतिशत रहा। दोनों शाखाओ से 177 छात्र परीक्षा में शामिल हुए थे ।

जानकीपुरम शाखा में क्लास ग्प में आर्यवीर सिंह ने 97 प्रतिशत अंक के साथ विद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया। क्लास X में वैष्णवी यादव ने 97.42 प्रतिशत अंकों के साथ प्रथम स्थान प्राप्त किया। विकास नगर शाखा में आदर्शिनी तिवारी ने 97.20 प्रतिशत अंकों के साथ टॉप किया

अक्षत सोनी ने 96.2 प्रतिशत

अनुष्का शर्मा ने 95.40 प्रतिशत

दिया वर्मा ने 94 प्रतिशत

आंशिका वर्मा 93 प्रतिशत ने अंक प्राप्त किए।

क्लास XII में आर्यवीर ने फिजिकल एजुकेशन में 100 अंक प्राप्त किए।

अक्षत सोनी एवं राघवेंद्र निषाद, दिया व अंशिका वर्मा ने इतिहास में 100 में 100 अंक प्राप्त किये।

अक्षत सोनी ने पी एड में 100 अंक प्राप्त किए।

इस अवसर पर प्रबंधक डॉ ब्रजेंद्र सिंह एवं प्रधानाचार्या फराह काजमी एवं अर्चना सिंह ने सभी बच्चों को बधाई दी।

महाप्रबंधक ने उत्तर रेलवे की कार्य प्रगति की समीक्षा की

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। उत्तरत्तर रेलवे के महाप्रबंधक, श्री शोभन चौधुरी ने उत्तर रेलवे के प्रमुख विभागाध्यक्षों एवं मण्डल रेल प्रबंधकों के साथ उत्तर रेलवे की कार्य–प्रगति की समीक्षा की। समीक्षा बैठक में संरक्षा, रेल फ्रैक्चर और यात्री सुविधाओं से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि ट्रेन की गति बढ़ाने, रेलवे रिकॉर्ड के डिजिटलीकरण, सामग्री प्रबंधन और स्क्रैप निपटान के प्रयास किए जा रहे हैं। श्री चौधुरी ने ट्रेनों के निर्बाध परिचालन के लिए रेलपथों के रखरखाव, जोइण्टों के वेल्ड, सिग्नलिंग सिस्टम और रोलिंग स्टॉक संपत्तियों पर ध्यान केंद्रित करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि फ्रंटलाइन कर्मचारी रेलवे की आंख और कान हैं, उनके समय–समय पर प्रशिक्षण और नई तकनीक के उपयोग के प्रति जागरूक बनाने पर ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने ट्रेनों की गति बढ़ाने के लिए बाधाओं को दूर करने, लेवल क्रॉसिंग को खत्म करने, दोहरीकरण, विद्युतीकरण, आरओबी और आरयूबी के निर्माण के लिए किए जा रहे कार्यों का जायजा लिया। उन्होंने संबंधित विभागों से प्रक्रियाओं में तेजी लाने का आह्वान किया। उन्होंने स्क्रैप के समय पर निपटान के साथ–साथ परिसंपत्तियों की मरम्मत और रखरखाव के लिए आवश्यक सामग्रियों का पर्याप्त भंडार बनाए रखने की भी सलाह दी। उन्होंने अधिक पारदर्शिता लाने के लिए सभी रेलवे रिकॉर्डों का डिजिटलीकरण पूरा करने पर जोर दिया। श्री चौधुरी ने महत्वपूर्ण परियोजनाओं के निर्माण से संबंधित कार्यों को पूरा करने पर जोर दिया। उन्होंने यह भी बताया कि, हर गुजरते महीने के साथ खाद्यान्न और अन्य वस्तुओं के लदान में लगातार वृद्धि हुई है। उत्तर रेलवे अपने उपयोगकर्ताओं को सुरक्षित, सुगम और बेहतर सेवाएं देने के लिए प्रतिबद्ध है।

अंतरप्रान्तीय गांजा तस्कर गिरफ्तार, कब्जे से एक ब्रेजा कार व 21 किलो 450 ग्राम गांजा बरामद

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। मुंगराबादशाहपुर थाना अंतर्गत पुलिस द्वारा दो अंतरप्रान्तीय गांजा तस्कर गिरफ्तार, कब्जे से एक ब्रेजा कार व 21 किलो 450 ग्राम गांजा बरामद किया है। इस मामले में मंगलवार जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि पुलिस अधीक्षक डा0 अजय पाल शर्मा द्वारा स्वापक औषधि व मादक पदार्थो के विरुद्ध चलाये जा रहे अभियान के क्रम मे क्षेत्राधिकारी मछलीशहर व थानाध्यक्ष सन्तोष कुमार पाठक के नेतृत्व में संदिग्ध व्यक्ति वस्तु वाहन की चेकिंग करते हुए तरहठी मोड़ पहुँचे जहाँ पर ...ज टीम के मजिस्ट्रेट करमचन्द मौर्या व उ0नि0 मनोज कुमार राय S-S-T टीम के मजिस्ट्रेट के साथ वाहन की चेकिंग करने लगे।इसी बीच प्रयागराज साइड की तरफ से ब्रेजा आती हुई दिखाई दी। जिसको इशारा करके रोकने को कहां गया तो वाहन के ड्राइवर ने बगल में खड़ा कर दिया कार मैं बैठा एक व्यक्ति उतरकर भागने लगा पुलिस वाले में दौड़ाकर पकड़ने का प्रयास किये लेकिन वह व्यक्ति भाग गया । पुलिस द्वारा ब्रेजा को चेक किया गया तो पीछे दो व्यक्ति चार अलग अलग प्लास्टिक के बंडलो मे एक सूटकेश व एक बैग लेकर बैठे दिखाई दिये। जिसे खोलकर कर चेक किया गया तो 21 किलो 450 ग्राम गॉजा मिला । उपरोक्त दोनों व्यक्तियों को गिरफ्तार कर उसके कब्जे से कुल 21 किलो 450 ग्राम गांजा व ब्रेजा कार बरामद किया गया। तथा अभियुक्तगण के विरुद्ध विभिन्न धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर विधिक कार्यवाही की जा रही है। गिरफ्तार अभियुक्तों में, गिरजेश कुर्मी पुत्र शिवशंकर कुर्मी निवासी ग्राम रूपही टाड थाना रेडहा जनपद पश्चिमी चम्पारण बिहार व रतन संजय पुत्र स्व0 चन्द्रभूषण चौधरी निवासी ग्राम रूपही टाड थाना रेडहा जनपद पश्चिमी चम्पारण बिहार को गिरफ्तार किया गया है।

मकान बनाने के विवाद में चली गोली, एक की मौत, दो घायल, जांच में जुटी पुलिस

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कयार गांव में मंगलवार की सुबह गोलियों की गरजना से पूरा इलाका कांप उठा और दबंगो ने गांव के एजाज अहमद को गोली मारकर मौत के घाट उतारने के बाद फरार हो गए है। जबकि इस गोलीकांड की घटना में मृतक के पुत्र और पुत्री घायल है ,जिनका उपचार जिला अस्पताल में चल रहा है। घटना की खबर मिलने पर पुलिस घटनास्थल पर पहुँच कर निरीक्षण किया मृतक का शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । वही तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर हत्यारो की धर पकड़ के लिए दविश भी शुरू कर दी है। गांव निवासी एजाज अहमद के घर पर राजगीर मिस्त्री द्वारा मकान की छत ढालने के लिए सटरिंग का काम किया जा रहा था। एजाज के दबंग पड़ोसी जिससे जमीनी विवाद चल रहा था। सोमवार शाम को मिस्त्री से विवाद किया एजाज के पुत्र अब्दुल रहीम ने रोक टोक किया तो उसके साथ मारपीट किया और अपने मकान की छत से पथराव किया। पथराव में हमलावर दबंग के दादा याकूब भी जख्मी हो गए थे।

इसी बात को लेकर मंगलवार की सुबह लगभग साढ़े आठ बजे सुबह जब एजाज अपने घर से बाहर निकला तो याकूब के पौत्र असलहा लेकर एजाज पर हमलावर हो गए और पहले डन्डे से वार किया फिर गोली मारकर एजाज की हत्या कर दिया।

अपने पिता को बचाने के लिए घर बाहर निकले पुत्र अब्दुल रहीम और बेटी सादिया को भी मारपीट

कर घायल कर दिया और फरार हो गए।

घटना की खबर लगने के बाद पुलिस घटनास्थल पर पहुँच गई और घटना की छानबीन शुरू कर दिया। मृतक के लाश को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। घायलो को जिला अस्पताल उपचार के लिए भेजवाया गया तहरीर के आधार पर एफआईआर दर्ज कर छानबीन शुरू है। गोलीकांड की खबर वायरल होते ही जिले के आला पुलिस अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुँच गये थे। घटना के संबंध में जानकारी देते हुए अपर पुलिस अधीक्षक ग्रामीण शैलेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सरायख्वाजा थाना क्षेत्र के कायर गांव में दो पड़ोसियों एजाज और अरमान के बीच मकान बनवाने को लेकर विवाद हुआ एजाज के मकान की शटरिंग अरमान के मकान को छू रही थी इस दौरान दोनों में विवाद हुआ कि अचानक अरमान द्वारा गोली चलाई जाने से एजाज के पेट में गोली लगी और इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई है इस मामले में यह जांच को गिरफ्तार कर लिया गया है साथ ही उसकी मां बहन और पिता को भी हिरासत में ले लिया गया है मामला दर्ज कर अग्रिम विधिक कार्रवाई की जा रही है मौके पर शांति व्यवस्था कायम है।

दिव्यांग मैराथन ईगल स्पेशियली एबल्ड राइडर्स की उड़ान

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गुड़गांव के सेक्टर 29 में दिव्यांग मैराथन का आयोजन ईगल स्पेशियली एबल्ड राइडर्स द्वारा किया गया, जिसे यूनिवर्सल रनर्स मैराथन ने प्रयोजित किया। दिव्यांग मैराथन के आयोजन का मकसद

भारत में दिव्यांगता के प्रति भेदभाव, कलंक और रूढ़िवादिता जैसी बाधाओं को दूर करना है तथा दिव्यांगों को समाज की मुख्य धारा से जोड़ना है। लोगों को उन क्षमताओं के बारे में शिक्षित करना है जो दिव्यांग व्यक्तियों के पास हैं, विकलांगता के प्रति समाज के दृष्टिकोण को बदलना है। दिव्यांग मैराथन की लीडर राखी पाण्डेय थी एवं नजमा, ललिता, जागृति और गोविंदा द्वारा दिव्यांग मैराथन को मैनेज किया गया। आमिर सिद्दीकी (संस्थापक–ईगल स्पेशियली एबल्ड राइडर्स) ने कहा कि जब कोई मनुष्य अपनी शारीरिक बाधाओं को नजर नदाज करके दृढ़ निश्चय मनोबल सहित किसी भी प्रकार से कठोर लक्ष्य को प्राप्त करने हेतु प्रयास करता है तो मंजिले खुद ब खुद उसका इन्तेजार करने लगती है। ईगल स्पेशिएली एबल्ड राइडर्स रेट्रोफिटेड स्कूटी से लगभग भारत के 18 राज्यों में जागरूकता राइड (अतुल्य भारत, सुगम्य भारत, बलात्कार मुक्त भारत, ब्लड डोनेशन, विश्व शांति, शिक्षा, स्वास्थ, मतदान, महिला सशक्तिकरण, दिव्यांगो का अधिकार, इत्यादि) कर चूका है, इस कार्य के लिए ईगल स्पेशिएली एबल्ड राइडर्स को मुख्यमंत्री, कैबिनेट मंत्री, डॉ. बत्रा पीपल चॉइस अवॉर्ड, लिम्का बुक ऑफ रिकॉर्ड, इंडिया बुक ऑफ रिकॉर्ड, वर्ल्ड रिकॉर्ड्स इंडिया, वर्ल्ड बुक ऑफ रिकॉर्डस, बुक ऑफ रिकॉर्ड्स इंटरनेशनल और वर्ल्ड बुक ऑफ टैलेंट रिकार्ड्स द्वारा सम्मानित किया जा चूका है। ईगल स्पेशियली एबल्ड राइडर्स न केवल राइड के माध्यम से जागरूकता फैलाने का कार्य करती है बल्कि दिव्यांगों को प्रोत्साहित करने में सहायता भी करती है, कोरोना की पहली और दूसरी खतरनाक लहर में भी दिव्यांगों के प्रति महत्वपूर्ण भूमिका अदा की।

मेदांता में सुपर स्पेशलिज्ड अस्थमा एलर्जी क्लिनिक का हुआ शुभारंभ

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। मेदांता हॉस्पिटल ने 7 मई 2024 को विश्व अस्थमा दिवस के शुभ अवसर पर अपने अत्याधुनिक अस्थमा–एलर्जी क्लिनिक के

उद्घाटन के साथ अपनी सुपर स्पेशलाइज्ड पल्मोनरी एंड स्लीप मेडिसिन सेवाओं का विस्तार किया है। इस क्लिनिक में डॉक्टरों की टीम मरीजों को उनके अस्थमा से जैसी नई चिकित्सा पद्धतियों की आवश्यकता का भी आकलन किया जाएगा। अस्थमा–एलर्जी क्लिनिक का उद्घाटन मेदांता अस्पताल, लखनऊ के चिकित्सा निदेशक डॉ. राकेश कपूर द्वारा किया गया। पल्मोनरी और स्लीप मेडिसिन के इंचार्ज एवं एसोसिएट डायरेक्टर डॉ. जुगेन्द्र सिंह ने अस्थमा से जुड़ी प्रचलित भ्रांतियों को दूर किया और अस्थमा के खिलाफ मरीजों को सशक्त बनाने में अस्थमा क्लिनिक की भूमिका के महत्व को बताया। अस्थमा एलर्जी क्लिनिक के प्रभारी डॉ अभिषेक टंडन ने अस्थमा को पहचानने और उसके इलाज पर बेहद जानकारी पूर्ण व्याख्यान दिया। डॉ. टंडन ने रोगियों के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण की आवश्यकता और व्यक्तिगत उपचार योजना विकसित करने पर जोर देते हुए कहा, क्लिनिक का अस्थमा की मुश्किल स्टेज से जूझ रहे व्यक्तियों पर विशेष ध्यान होगा, जहां पूरी तरह से प्रोटोकॉल आधारित बायोलॉजिकल थेरेपी या इम्यूनोथेरेपी का प्रावधान किया जाएगा।

12 वी व 10 वी आईएससी एवं आईसीएसई परीक्षा परिणाम देख खिले बच्चों के चेहरे

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। लखनऊ मॉडल पब्लिक स्कूल फरीदीपुर में आईएससी व आईसीएसई बोर्ड परीक्षा परिणाम घोषित किया गया। परीक्षा परिणाम सुनकर विद्यार्थियों के चेहरे पर खुशी साफ देखी जा सकती थी। हर कोई अपना वार्षिक रिपोर्ट रिकार्ड अभिभावकों को दिखाकर खुश होता नजर आया। कुछ बच्चों के अंक उतने अच्छे नहीं आए, लेकिन अभिभावकों ने उनका भी उत्साह बढ़ाया और अगले वर्ष ज्यादा मेहनत कर ज्यादा अंक लाने के लिए प्रेरित किया। विद्यालय में इंटरमीडिएट में प्रथम अरुण यादव 89%, द्वितीय सचिन 87% व मांसी

पाल 87% स्थान प्राप्त किया साथ ही हाईस्कूल में प्रथम सौरभ चौरसिया 92% द्वितीय अर्थ पांडेय 91% व तृतीय प्रिय सेन 89% स्थान पाने वाले विध्द्यार्थियों को माला पहनाकर व मिठाई खिलाकर सम्मानित भी किया गया। तथा प्रबंधक श्री अवधेश सिंह व प्रधानाचार्य श्रीमती गुन्जन खत्री ने बच्चों के उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

मतदान अवश्य करने हेतु प्रेरित करते हुए दिलाई गई शपथ

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर विद्यालय में आयोजित मतदाता जागरूकता कार्यक्रम एवं 07 दिवसीय समर कैम्प के आयोजन का भव्य शुभारम्भ जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ0 गोरखनाथ पटेल के द्वारा किया गया। उक्त ब्लॉक बदलापुर की खण्ड शिक्षा अधिकारी श्रीमती शिखा मिश्रा के द्वारा स्वागत किया गया। इस अवसर पर ब्लॉक के समस्त ए. आर.पी. एवं न्याय पंचायत भलुआंहि के शिक्षक संकुलध्रधानाध्यापक एवं ब्लॉक के अन्य विद्यालय की सहयोगी शिक्षकध्शिक्षिका उपस्थित रहे। उक्त

अवसर पर विद्यालय के बच्चों ने स्वागत गीत, नृत्य एवं कविता वाचन करके समर कैम्प की शुरुआत की गयी। समस्त उपस्थित अभिभावकों को बेसिक शिक्षा अधिकारी ने मतदाता जागरूकता अभियान के अंतर्गत सभी को मतदान अवश्य करने हेतु प्रेरित करते हुए शपथ दिलवाए।

स्वास्थ्य शिविर में चिकित्सकों की टीम ने जवानों को स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ)

अयोध्या। 34 वी वाहिनी पीएसी मीडिया सेल के मुताबिक सेनानायक 34वीं वाहिनी पीएसी वाराणसी एवं सुखमय जीवन के दृष्टिगत वाहिनी बहुउद्देशीय हाल पिनाक मण्डपम में निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन कराया गया।सेनानायक द्वारा आमंत्रित चिकित्सकों की टीम का अभिवादन करते हुए जवानों को स्वास्थ्य के प्रति जागरूक करने किया।वाहिनी के चिकित्साधिकारी डॉ अतुल सिंह की अगुवाई में आमंत्रित चिकित्सकों में भारतीय सेना (आर्मी) अस्पताल वाराणसी से डॉ निवेदिता मिश्रा, पैनेशिया मल्टी स्पेशलिटी हॉस्पिटल, वाराणसी से डॉ आशुतोष मिश्र, मधु मेह एवं हृदयाघात मुक्त भारत अभियान का संचालन कर रही, डॉ पल्लवी मिश्रा, स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ, ने जवानों को उत्तम स्वास्थ्य एवं सुखमय जीवन हेतु सही तरीके से नियमित व्यायाम एवं संयमित आहार का प्रबन्धन करने हेतु जागरूक किया गया।जिससे भविष्य में किसी भी प्रकार की बीमारियों से बचा जा सके। इस मौके पर सेनानायक पंकज पाण्डेय द्वारा चिकित्सकों की संपूर्ण टीम का धन्यवाद एवं आभार प्रकट किया गया।

पंकज कुमार पांडेय द्वारा जवानों एवं उनके परिजनों के अच्छे स्वास्थ्य

सट्टा मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अयोध्या। कोतवाली नगर पुलिस ने सट्टा खेलने व खिलाने वाले दो आरोपियों को गिरफ्तार कर मोबाइल फोन व नगदी रुपये सहित अन्य वस्तुएं बरामद किया।इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक कोतवाली नगर अश्वनी पाण्डेय ने बताया कि सीओ सिटी शैलेन्द्र सिंह के निर्देश पर सट्टा खेलने वाले लोगों पर अंकुश लगाने के लिए कोतवाली नगर पुलिस द्वारा अभियान चलाया जा रहा है। इस अभियान के तहत मुखबिर की सूचना पर सोमवार की देर शाम चौकी प्रभारी रामनगर रजत पाण्डेय, चौकी प्रभारी रिकाबगंज कमलेश तथा चौकी प्रभारी नवीन मंडी उमेश कुमार वर्मा ने मोहल्ला पहाड़गंज घोसियाना में मो. समीर पुत्र मो.सईद के मकान पर छापा मारकर आनलाईन सट्टा खेलते व खिलाते हुये मो. समीर पुत्र मो.सईद,अब्दुल रज्जाक पुत्र अतीउल्लाह को गिरफ्तार किया।

यात्रियों के जान से खिलवाड़ कर रहे डग्गामार वाहन

(डॉ अजय तिवारी जिला संवाददाता)

अयोध्या। 22 अप्रैल से शुरु होकर 4 मई तक चलने वाला सड़क सुरक्षा पखवाड़ा भी समाप्त हो गया।जो कि महज खानापूर्ति तक ही सीमित रह गया। परंतु इसका असर जिले के विभिन्न स्थानों से संचालित डग्गामार वाहनों पर नहीं दिखाई दे रहा है।जिसके चलते आये दिन लोग सड़क हादसे का शिकार हो रहे हैं।जो आसामयिक काल के मुंह में समा रहे हैं या फिर हमेशा के दिव्यांग की जिंदगी जीने को मजबूर है।इस समय शहर के जेल के पीछे, रोडवेज बस स्टेशन सहित अन्य स्थानों से संचालित डग्गामार वाहन खुले आम परिवहन विभाग,आरटीओ विभाग,पुलिस विभाग के साथ साथ यातायात विभाग के अधिकारियों को खुलेआम चुनौती दे रहे हैं।बताते चलें कि इस समय जेल के पीछे स्थित टैक्सी स्टैंड के समीप कई प्राइवेट बसों को देखा जा सकता है।जो काफी जीर्ण शीर्ण अवस्था में तब्दील हो चुके हैं।मजे की बात तो यह है इन बसों में अग्निशमन यंत्र,प्रथम प्राथमिक उपचार बाक्स सहित अन्य महत्वपूर्ण वस्तुओं का अभाव रहा। यही दशा जेल के पीछे स्थित टैक्सी स्टैंड से खुलेआम इन डग्गामार वाहनों से मानक से अधिक सवारियों को बिठाकर विभिन्न रुटों पर फर्राटा भरते दिखाई देते नजर आते हैं। यही दशा रोडवेज बस स्टेशन, पुष्पराज चौराहा, रेलवे स्टेशन के सामने,नाका बाईपास, देवकाली बाईपास,शांति चौक रायबरेली रोड सहित अन्य मार्गों पर दिखाई दे रहा है। जहां से दिन भर मानक से अधिक सवारियों को भरकर ये डग्गामार वाहन विभिन्न रुटों पर फर्राटा भरते हुए देखें जा सकते हैं। ईश्वर न करे यात्रा के दौरान अगर कोई अप्रिय घटना घटित होती है तो उक्त वाहन में आग काबू पाने के लिए कोई यंत्र नही है और न ही घायल यात्रियों को तुरंत इलाज मिल सकेगा। अगर देखा जाए तो जहां से इन डग्गामार वाहनों का संचालन बेखौफ से हो रहा है।इन जगहों पर पर्याप्त संख्या में यातायात पुलिस कर्मियों की तैनाती रहती है। क्योंकि जेल के पीछे स्थित टैक्सी स्टैंड के समीप पुलिस लाइन, रोडवेज बस स्टेशन के समीप एसपी सिटी का आवास व सर्किट हाउस है जिसके चलते पर्याप्त संख्या में सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रहती है।वही इन जगहों के अलावा नाका बाईपास, देवकाली बाईपास, शांति चौक सहित अन्य जगहों पर भी सुरक्षा कर्मियों की तैनाती रहती है। इसके वावजूद यहां से संचालित डग्गामार वाहनों पर कोई असर नहीं पड़ रहा है।परंतु इन डग्गामार वाहनों पर आरटीओ प्रवर्तन प्रवीण कुमार व यातायात निरीक्षक अभिमन्यु शुक्ला के साथ साथ थाना प्रभारी निरीक्षक/थानाध्यक्ष अंकुश लगाने में असफल दिखाई दे रहे हैं।इस संबंध में जब आरटीओ प्रवर्तन प्रवीण कुमार सिंह से बात करने की कोशिश की गई तो रटा रटाया एक ही उत्तर मिला कि यह नंबर अस्थाई रुप से बंद है।

आईएससी और आईसीएसई परिणाम 2024 में एसकेडी अकादमी के छात्र–छात्राएं रहे अव्वल

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। पिछले वर्षों की तरह इस वर्ष भी S.K.D का ISC और ICSE परिणाम। अकादमी परीक्षा 2024 100 प्रतिशत है। आईएससी में श्रेया वर्मा (पीसीएम ग्रुप) ने जेईई मेन में 98.00% अंक और 8वीं अखिल भारतीय रैंक हासिल की, तन्वी मिश्रा (पीसीबी ग्रुप) ने 97.75: अंक प्राप्त किए और आईसीएसई में 9वीं अखिल भारतीय रैंक अविका श्रीवास्तव और निशकार्श त्रिपाठी ने 98.4% अंक और 8वीं अखिल भारतीय रैंक, अवंतिका पटेल ने 98% अंक और 10वीं अखिल भारतीय रैंक हासिल की। 62 छात्रों ने विभिन्न विषयों में 90% से अधिक 42 छात्रों ने 100/100 अंक प्राप्त किए।

छात्रों ने अपनी सफलता का सारा श्रेय ईश्वर, अपने माता–पिता, प्राचार्य, शिक्षकों और स्कूल प्रबंधन को दिया। छात्रों ने टिप्पणियों, असाइनमेंट, प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए विशेष मार्गदर्शन, परीक्षा श्रृंखला के माध्यम से शिक्षकों के मार्गदर्शन की सराहना की जो उनके लिए एक बड़ी मदद साबित हुई। एसकेडी अकादमी के निदेशक श्री मनीष सिंह ने उत्कृष्ट परिणामों के लिए छात्रों और शिक्षकों को बधाई दी। उनका मानना था कि ये छात्र समाज के विभिन्न क्षेत्रों में काम करेंगे और राष्ट्र की सेवा करेंगे।

उन्होंने आगामी प्रतियोगी परीक्षाओं के लिए छात्रों को शुभकामनाएं भी दीं।

इन मेधावी छात्रों को जुलाई के महीने में आयोजित होने वाले एक विशेष समारोह में सम्मानित किया जाएगा। स्कूल प्रबंधन, अध्यक्ष श्री एस. के. डी. सिंह, निदेशक श्री मनीष सिंह, उप निदेशक निशा सिंह, सहायक निदेशक एस. निदेशक, श्रीमती. कुसुम बत्रा और प्रिंसिपल सुश्री अंजू सिंह ने छात्रों के प्रयासों की सराहना की और उन्हें उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए आशीर्वाद दिया।

अतुलित पाण्डेय ने आई एस सी 12 वीं की परीक्षा 96 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण कर अपने विद्यालय, परिवार और जिले का नाम रोशन किया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। डॉक्टर वीरेंद्र स्वरूप पब्लिक स्कूल, महनागर के छात्र अतुलित पांडेय ने आई एस सी 12 की परीक्षा में 96 प्रतिशत अंकों से उत्तीर्ण कर अपने विद्यालय, परिवार और जिले का नाम रोशन किया है, अतुलित के पिता निवेदन पांडेय सर्विस पर्सन हैं, माँ डॉ अलका निवेदन डिग्री कॉलेज में प्राचार्या के पद पर आसीन हैं ,

अतुलित अपनी सफलता का सारा श्रेय अपने शिक्षकों, माता पिता व परिवार को देना चाहेगा, जिनके विश्वास, प्रेरणा और प्रोत्साहन से ये अंक प्राप्त किये।

अतुलित ने प्रतिदिन टाइम टेबल बना कर हर विषय को समान समय दिया और रोज 8 से 10 घण्टे नियमित पढ़ाई की।

अतुलित ने और छात्रों को प्रेरित करते हुआ बताया कि पढ़ाई करने की एक रणनीति बना कर ही तैयारी करें और स्कूल के सारे टेस्ट और प्रीबोर्ड्स भी बोर्ड की ही तरह तैयारी कर के दे।

संगीत में विशेष रुचि रखने वाले अतुलित तबला में विषारद हैं था राष्ट्रीय मंचों पर अपनी प्रतिभा का परचम भी फहरा चुके हैं।

आगे चलकर प्रसाशनिक अधिकारी बन कर राष्ट्र की सेवा करना चाहते है।

खेलो इण्डिया राइजिंग टैलेन्ट आइडेंटिफिकेशन (कीर्ति) के लिए जौनपुर चयनित क्रीड़ा अधिकारी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। क्रीड़ा अधिकारी डॉ अतुल सिन्हा ने अवगत कराया है कि भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना खेलो इण्डिया राइजिंग टैलेन्ट आइडेंटिफिकेशन (कीर्ति) के लिए जनपद जौनपुर को चयनित किया गया है। जिसमें एथलेटिक्स, तीरन्दाजी, फुटबाल, कबड्डी व खो–खो के 9 से 18 वर्ष तक के खिलाड़ी आज आयोजित दूसरे दिन के चयन परीक्षण में कुल 29 खिलाड़ियों ने प्रतिभाग किया जिसमें सबसे महत्वपूर्ण बात यह रही कि तीरन्दाजी में जनपद सहारनपुर व मथुरा से भी छोटे–छोटे बच्चों ने प्रतिभाग किया। खो–खो में 01, कबड्डी 10, एथलेटिक्स में 07, फुटबाल में 04 व तीरन्दाजी में 07 बालक–बालिकाओं ने प्रतिभाग किया। भारतीय खेल प्राधिकरण के केन्द्र प्रभारी जितेन्द्र ने जनता से अपील किया कि जनपद जौनपुर के ज्यादा से ज्यादा खिलाड़ी इस चयन परीक्षण में भाग लें क्योंकि उत्तर प्रदेश के 18 मण्डल मुख्यालयों में से मात्र 02 मण्डल मुख्यालय लखनऊ और वाराणसी में यह चयन परीक्षण कराया जा रहा है। इसी प्रकार प्रदेश के 57 जनपदों में से जनपद जौनपुर एकमात्र ऐसा जिला है जहां इस चयन परीक्षण का आयोजन कराया जा रहा है यह जनपद जौनपुर के खिलाड़ियों के लिए स्वर्णिम अवसर है। मुझे आशा है कि अधिकाधिक संख्या में खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे यह चयन परीक्षण 10 मई 2024 तक आयोजित किया जायेगा।

नगर पालिका परिषद गर्मी को देखते हुए भीड़ वाली जगह पर अस्थाई रूप से लगवाएं प्याऊ – जिलाधिकारी

ब्यूरो प्रमुख

विश्व प्रकाश श्रीवास्तव

जौनपुर। जिलाधिकारी रविंद्र कुमार मौंदड़ ने अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद को निर्देशित किया है कि भीषण गर्मी को देखते हुए प्रमुख बाजारों, मुख्य मार्गों सहित ऐसी जगहें जहां पर प्रायः आमजनमानस की भीड़ होती है वहॉ पर थोड़ी–थोड़ी दूरी पर अस्थायी प्याऊ की व्यवस्था सुनिश्चित कराये, जिससे इस भीषण गर्मी में आमजनमानस को पेयजल की समस्या का सामना न करना पडे।

उन्होंने जनपद के संभ्रान्त नागरिकों, स्वयं सेवी संस्थाओं आदि से अपील किया है कि वे भी अपने स्तर से अस्थायी प्याऊ की व्यवस्था करने हेतु अपने क्षेत्र के अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिषद से सम्पर्क करे और अपने–अपने पूर्वजोंधप्रियजनों के नाम से इस पहल में अपना योगदान दे। उन्होंने बताया है कि नगर पालिका के द्वारा जगह का चयन किया जायेगा और शिलापट्ट पर लगवाने वाले का नाम या उनके पूर्वजोंध प्रियजनों का नाम अंकित होगा। इस पुनीत कार्य के लिए अधिक से अधिक लोग अपना सहयोग अवश्य दे।

अधिशासी अधिकारी नगर पालिका जौनपुर पवन कुमार ने अवगत कराया है कि प्रथम चरण में अस्थायी प्याऊ की व्यवस्था सुनिश्चित करने के पश्चात द्वितीय चरण में स्थायी प्याऊ की व्यवस्था की जायेगी।

उन्होंने जनपद के संभ्रान्त नागरिकों, स्वयं सेवी संस्थाओं से अपील किया है कि अस्थायी/स्थाई प्याऊ की व्यवस्था हेतु सीयूजी नम्बर 8707073308 पर सम्पर्क कर सकते है।

समाजसेवियों ने असहाय बूढी जरूरतमंद मां, बेटी को दैनिक उपयोग का सामान उपलब्ध कराया

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। सड़क के किनारे जीवन यापन कर रही बूढी मां बेटी को संस्था नीशू वेलफेयर फाउंडेशन एवम माँ गायत्री जनसेवा संस्थान द्वारा जरूरत की हर चीज उपलब्ध कराई गई। संस्था नीशू वेलफेयर फाउंडेशन की अध्यक्ष गुंजन वर्मा एवम मां गायत्री जनसेवा संस्थान के अध्यक्ष अरुण प्रताप सिंह ने बताया की एक पत्रकार महोदय के द्वारा सूचना दी गई थी। जिसमें तत्काल प्रभाव से संस्था के सदस्यों द्वारा रेस्क्यू किया गया था आज दैनिक प्रयोग के सामान में पूरे 1 महीने का राशन,चावल,दाल,मटर दाल,चीनी,तेल,साबुन निरमा,चाय की पत्ती,नमक,समस्त मसाले,गर्म मसाला,बिस्किट,फोल्डिंग का तखत,गद्दा,चादर,स्टील के उपयोग के प्रत्येक बर्तन भगोना,थाली, चमचा,गिलास,कटोरी,प्लेट,प्लास्टिक के हर साइज के डिब्बे, स्टील की टंकी,3 साड़ी,5सूट आदि सभी सामान प्रदान किया गया। कि संस्था द्वारा अब तक 216 आर्थिक रूप से कमजोर परिवार की बेटियों की शादी में मदद की जा चुकी है। उन्होंने बताया कि दोनों संस्थाएं उत्तर प्रदेश के विभिन्न जनपदों में सामाजिक कार्यों में कार्यरत हैं शिक्षा,चिकित्सा के क्षेत्र में महिलाओं को आत्मनिर्भर बनाने,रोजगार उपलब्ध कराने,गरीब परिवार को इलाज कराने,गरीब परिवार की बेटियों की शादी में मदद,राशन उपलब्ध कराना,दिव्यांग जनों को कृत्रिम अंग उपलब्ध कराना,शिक्षा के क्षेत्र में गरीब परिवार के बच्चों को फीस मुहैया कराना व कॉपी किताब उपलब्ध कराना, महिलाओं के रोजगार हेतु सिलाई मशीन उपलब्ध कराना, महिलाओं के प्रशिक्षण हेतु मेरी यात्रा निःशुल्क सिलाई प्रशिक्षण केंद्र संस्था द्वारा चलाए जा रहे हैं जिसमें अब तक हजारों महिलाएं प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बन चुकी हैं एवम डोमेस्टिक वायलेंस पर संस्था द्वारा बृहद स्तर पर महिलाओं बच्चियों के लिए सुरक्षा का कार्य किया जा रहा है। संस्था का उद्देश्य है हमारा यही प्रयास, कोई लौटे न निराश।

इस जनसेवा कार्य में मो इमरान खान,नीलम श्रीवास्तव,दीप्ति आहूजा,अमनदीप सिंह,विशाल श्रीवास्तव,मोनिका सिंह मोना,आशुतोष सिंह,सौरभ अग्रवाल, संगीता शाक्य,तृप्ति पांडे,रेनू शर्मा,वंदना सिंह,धीरेंद्र सिंह का आर्थिक सहयोग प्राप्त हुआ। विशेष उपस्थित समाजसेवी धीरेंद्र सिंह, वरिष्ठ समाजसेवी मनोज सिंह चौहान, सचिव हेमू चौरसिया, रुद्र प्रताप बाजपेई की उपस्थिति रही। समाजसेवियों ने बताया कि आगे भी सेवा जारी रहेगी।

सुरक्षित घर वापस आना भी जरूरी – डा लीना मिश्र

लखनऊ (आर एल पाण्डेय). लोग गांव से शहर की ओर भाग रहे हैं। शहर गांव में धंसता जा रहा है। औद्योगीकरण के समानांतर नगरीकरण विस्तार ले रहा है। लेकिन सड़कों का क्या होगा, कितनी सड़कें हैं जो समय–समय पर चौड़ी की जा सकती हैं? नए–नए मॉडल की, नई–नई कंपनियों की, अनेक सुख सुविधाओं के साथ दिन प्रतिदिन अनगिनत गाड़ियां उन्हीं सड़कों पर आ रही हैं, जिनके चौड़ी होने की कोई संभावनाएं नहीं हैं। नगरों के पुराने मोहल्ले भी ऐसे हैं, जिनका विस्तार नहीं किया जा सकता। तो यह प्रश्न स्वाभाविक ही है कि आखिर ये गाड़ियां कहां पार्क की जाएगी और कहां चलेंगी, कितना प्रदूषण छोड़ेंगी और कचरे का क्या होगा? पर केवल यातायात नियमों को समझ कर धैर्य से चलने मात्र से इसका आंशिक हल तो निकाला ही जा सकता है कि गाड़ियां सड़कों पर सुरक्षित चलें और अपने घर से निकले हुए लोग सुरक्षित घर वापस पहुंचे। इसीलिए सरकार भी समय–समय पर सड़क सुरक्षा पखवाड़ा मनाने का अभियान चलातीहै और विद्यार्थियों को विशेष रूप से इसमें प्रशिक्षित किया जाता है क्योंकि उनके माध्यम से परिवार और समाज को आसानी से प्रशिक्षित किया जा सकता है और जो विद्यार्थी बचपन में ही सड़क सुरक्षा नियमों को जान जाएंगे, वे अपने जीवन में कभी गलती नहीं करेंगे और दुर्घटनाओं से स्वयं भी बचेंगे और दूसरों को भी बचाएंगे। इसी दृष्टि से बालिका विद्यालय में सड़क सुरक्षा पखवाड़ा के अंतर्गत विभिन्न कार्यक्रमों का आयोजन किया गया। विद्यार्थियों को सड़क पर चलने के नियमों की जानकारी होना बहुत ही जरूरी है, तभी अपने घर और आस–पड़ोस में वाहन चलाने वालों को भी इसकी जानकारी देकर जागरूकता फैला सकते हैं। हम शिक्षकों का यह दायित्व है कि हर छोटे से बड़े सामाजिक एवं जीवन के महत्वपूर्ण विषयों की जानकारी देकर छात्राओं के माध्यम से समाज में जागरूकता फैलाएं क्योंकि ये छात्राएं हमारा उज्जवल भविष्य, हमारे ब्रांड एंबेसडर हैं। पूनम यादव और मंजुला यादव द्वारा छात्राओं को सड़क सुरक्षा संबंधी प्रतिज्ञा दिलवाई गई और उसके साथ ही सड़क सुरक्षा पर यातायात के नियमों से संबंधित स्लोगन और पोस्टर्स भी छात्राओं के द्वारा बनाए गए जिसमें कक्षा 11 की पलक निषाद द्वारा बनाया गया पोस्टर सर्वश्रेष्ठ के रूप में चयनित हुआ। इन नियमों पर आधारित क्विज प्रतियोगिता का भी आयोजन किया गया जिसमें ऋचा अवस्थी, मीनाक्षी गौतम और रितु सिंह द्वारा भी सहयोग किया गया और छात्राओं से इन विषयों पर आधारित प्रश्न पूछे गए जिसमें कक्षा 11 की सृष्टि सिंह का कार्य सराहनीय था। विद्यालय प्रधानाचार्य डॉ लीना मिश्र द्वारा समस्त प्रतिभागी छात्राओं को बधाई तथा जीवन पथ पर आगे बढ़ने का आशीर्वाद दिया गया।

लोकसभा चुनाव के सियासी समर में खाकी का रुतबा एक्शन मोड़ पर तारुन पुलिस ने 2623 लोगो को किया पाबंद

(डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार

तारुन अयोध्या। लोकसभा चुनाव के सियासी महासमर में खाकी भी पूरी तरह एक्शन मोड में आ गई है। चुनाव आचार संहिता का कड़ाई से अनुपालन कराने के साथ चुनाव में गड़बड़ी फैलाने वालों पर तारुन पुलिस की कार्रवाई तेज गति से चल रही है। उच्चाधिकारियों के निर्देश पर मुकामी पुलिस ने अब तक 2623 लोगो के विरुद्ध निरोधात्मक कार्रवाई किया है और आदर्श चुनाव आचार संहिता का सख्ती से अनुपालन कराने पर बल दिया है। थानाध्यक्ष ओम प्रकाश राय ने बताया कि चुनाव के दौरान गड़बड़ी करने वालो के खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जायेगी। फैजाबाद लोकसभा से सभी 13 प्रत्याशियों को चुनाव चिन्ह आवंटित'

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार।

भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी लल्लू सिंह को कमल

समाजवादी पार्टी प्रत्याशी अवधेश प्रसाद को साइकिल

बहुजन समाज पार्टी प्रत्याशी सच्चिदानन्द को हाथी

कम्युनिस्ट पार्टी आफ इंडिया प्रत्याशी अरविन्द सेन को बाल और हँसिया

राष्ट्रीय जनशक्ति समाज पार्टी प्रत्याशी अनिल कुमार रावत को चक्की

भारत महापरिवार पार्टी प्रत्याशी अंबरीश देव गुप्ता को रोड रोलर

मौलिक अधिकार पार्टी प्रत्याशी कंचन यादव को आटो–रिक्शा

आदर्शवादी कांग्रेस पार्टी प्रत्याशी बृजेन्द्र दत्त त्रिपाठी को बल्लेबाज

निर्दलीय प्रत्याशी अरूण कुमार को क्रेन

निर्दलीय प्रत्याशी जगत सिंह को गन्ना किसान

निर्दलीय प्रत्याशी फरीद सलमानी को चारपाई

निर्दलीय प्रत्याशी लाल मणि को बैटरी टार्च

निर्दलीय प्रत्याशी सुनील कुमार भट्ट को केतली चुनाव चिन्ह आवंटित।

गोयल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलाजी – मैनेजमेंट (जीआईटीएम) का वार्षिक सांस्कृतिक समारोह, रिदम डिवाइन 2024 सम्पन्न

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय

लखनऊ। गोयल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी – मैनेजमेंट (जीआईटीएम) लखनऊ ने बहुप्रतीक्षित वार्षिक सांस्कृतिक समारोह, रिदम डिवाइन 2024 का समापन किया।

दो दिवसीय आयोजित इस उत्सव की शुरुआत उत्साह के साथ हुई क्योंकि प्रतिभागियों ने श्मोस्ट टैलेंटेड डिपार्टमेंट के बैनर तले सात विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। एकल गायन से लेकर समूह नृत्य, स्टैंड–अप कॉमेडी कृत्यों से लेकर कविता पाठ किया, इसके अतिरिक्त 100 मीटर की दौड में प्रतियोगियों के दौडने के साथ जुगाद प्रतियोगिता और फोटोग्राफी प्रतियोगिता के प्रदर्शन में सरलता ने केंद्र स्थान हासिल किया। दूसरे दिन एक अंतर–विभागीय फैशन शो के ग्लैमर और आकर्षण को सामने लाया गया, ष्टाइमलेस टेल्सष विषय के साथ, प्रतिभागियों ने एतिहासिक कहानियों की अपनी मनमोहक व्याख्याओं के साथ दर्शकों को पुराने समय तक पहुँचाया। रैंप वॉक की सुंदर लय और नृत्य के मंत्रमुग्ध कर देने वाले आकर्षण के साथ दिन को आगे बढ़ाया। इस अवसर पर डॉ. आलोक कुमार जैन, श्री अरुण कुमार गक्खर, डॉ. अविनाश चंद्र श्रीवास्तव, डॉ. संतोष पांडे, डॉ. ओम प्रकाश वर्मा, डॉ. करुणा शंकर शुक्ला, डॉ. रीना पाठक, डॉ. देवेंद्र अग्रवाल, डॉ. सुशांत श्रीवास्तव, डॉ. सुरेंद्र कुमार श्रीवास्तव, श्री जैनेंद्र सिंह वर्मा, डॉ. शैलेंद्र कुमार शुक्ला और सुश्री आकांक्षा गुप्ता जैसी दिग्गज हस्तियों सहित सम्मानित अतिथियों की उपस्थिति ने इस अवसर की प्रतिष्ठा को बढ़ाया। विशेष रूप से, इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि गोएल ग्रुप ऑफ इंस्टिट्यूटशन्स के सम्मानित चेयरमैन इ. महेश गोयल। गोयल इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी – मैनेजमेंट (जीआईटीएम) के निदेशक डॉ. ऋषि अस्थाना ने विशिष्ट अतिथियों का गर्मजोशी से स्वागत किया। प्रतिभागियों ने रिदम डिवाइन 2024 के जादू से समृद्ध खुशी और दिमाग से भरे दिलों के साथ विदा लिया।

सान्ध्य हिन्दी दैनिक देश की उपासना

स्वात्वाधिकारी में. प्रभुदयाल प्रकाशन की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक

श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

मो0 – 7007415808, 9628325542, 9415034002

RNI NO - UPHIN/2022/86937

Email - deshkiupasanadailynews@gmail.com

समाचार–पत्र से संबधित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।